मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष-13, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 189 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
24 दिसंबर 2023 रविवार

आज का मौसम
22 अधिकतम
10 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

नयी कुश्ती: पहलवानों के दंगल के बीच सरकार का धोबीपछाड़ दांव

नामी रेसलर्स के विरोध के गर्माते ही कुश्ती संघ सस्पेंड, नए अध्यक्ष की मान्यता रद्द

नई दिल्ली , एजेंसी।

भारतीय कुश्ती संघ के हाल ही में संपन्न चुनाव के बाद शुरू विवाद पर इस बार केंद्र सरकार सतर्क नजर आ रही है। भाजपा के विवादित सांसद बृजभूषणशरण सिंह के करीबी संजय सिंह को कुश्ती संघ अध्यक्ष पद पर जीत और पहलवान अनीता श्योराण को हार से उठे विवाद के बाद सरकार ने नए कुश्ती संघ को निलंबित कर दिया है तथा संजय सिंह द्वारा लिए गए सभी फैसलों व संघ की गतिविधियों पर रोक लगा दी है।

उल्लेखनीय है कि महिला रेसलर्स ने ब्रजभूषण पर यौन उत्पीडन के आरोप लगाए थे और दिल्ली में कई दिन पदक विजेता पहलवान धरने पर बैठे रहे थे। अब ब्रजभूषण के ही करीबी की जीत के बाद पहलवान

बिफरे हुए हैं। पीएम आवास के सामने पद्म पुरस्कार रख आने वाले बजरंग पूनिया ने कहा अगर ये फैसला लिया गया है तो बिलकुल ठीक है, जो हमारी बहन बेटियों के साथ हो रहा है ऐसे लोगों का सभी फेडरेशन से सफाया होना चाहिए। हाल ही में कुश्ती संघ ने जूनियर नेशनल चैंपियनशिप की घोषणा की थी, जिसमें ये टूर्नामेंट 28 दिसंबर से यूपी के गोंडा में शुरू होना था। इस पर साक्षी मलिक ने कहा था कि मैंने कुश्ती छोड़ दी है पर कल रात से परेशान हूं, वे जूनियर महिला पहलवान क्या करें जो मुझे फोन करके बता रही हैं कि दीदी इस 28 तारीख से जूनियर नेशनल होने हैं और वो नयी कुश्ती फेडरेशन ने नन्दनी नगर गोंडा में करवाने का फैसला लिया है, गोंडा बृजभूषण का इलाका है, महिला पहलवान किस माहौल में कुश्ती लड़ने वहां जाएंगी।

पीएम आवास के बाहर तो रखा, लेकिन वाकई पुरस्कार लौटा पाएंगे बजरंग?

नई दिल्ली , एजेंसी।

रेसलिंग में कथित यौन उत्पीड़न का मामला फिर नये रंग में सामने आ रहा है। साक्षी मलिक के सन्यास के बाद ओलंपिक विजेता बजरंग पुनिया ने भारत सरकार से मिले पद्म पुरस्कार लौटा दिया है। वे तो पीएम आवास के बाहर मैडल भी फुटपाथ पर रखकर लौट आए, लेकिन अब तक ऐसा कोई नियम नहीं है कि पद्म पुरस्कार लौटाया जा सके। मीडिया रिपोर्टस के भी मुताबिक 'कोई पुरस्कार विजेता चाहे तो कारण बताकर लौटाने की घोषणा कर सकता है, लेकिन पद्म पुरस्कार के नियम में ऐसी परिस्थिति को लेकर कोई प्रावधान नहीं है। नियम सिर्फ इतना है कि बिना किसी आधार के राष्ट्रपति पुरस्कार रद्द नहीं कर सकते और जब तक राष्ट्रपति फैसला नहीं लें तब तक विजेता का नाम राष्ट्रपति के निर्देशानुसार बनाए

पद्म पुरस्कार लौटाने का नहीं है कोई नियम

गए पद्म प्राप्तकर्ताओं के रजिस्टर में बना रहता है। राष्ट्रपति अगर किसी का पुरस्कार रद्द कर दें तो उनके फैसले को कैसे रद्द किया जा सकता है, नियम में इसका भी प्रावधान है।' मगर पद्म पुरस्कार कभी रद्द नहीं किए गए हैं। हालांकि खेल मंत्रालय ने कहा है कि कुश्ती संघ अध्यक्ष के रूप में संजय सिंह के चुनाव के विरोध में बजरंग पुनिया का पद्मश्री पुरस्कार लौटाने का फैसला व्यक्तिगत है, लेकिन फिर भी उन्हें इस कदम पर पुनर्विचार के लिए मनाने की कोशिश की जाएगी।

बादल व ढिंढसा ने भी लौटाया, मगर रिकार्ड में दर्ज: एक मामले पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल और पूर्व केंद्रीय मंत्री एसएस ढिंडसा ने 2020 में राष्ट्रपति को लिखा था कि वे तीन कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध कर रहे किसानों के साथ एकजुटता दिखाते हुए अपना पुरस्कार 'वापस' कर रहे हैं। हालांकि दोनों नाम विजेता सूची में अभी दर्ज है।

पूछकर दिये जाते हैं... उल्लेखनीय है कि 2018 में गृह राज्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राज्यसभा को बताया था, 'देश की जांच एजेंसियों की तरफ से व्यक्ति के चरित्र और पृष्ठभूमि का सत्यापन किए जाने के बाद ही पुरस्कार दिए जाते हैं।' दरअसल, सामान्य प्रथा के अनुसार, पुरस्कार की घोषणा से पहले ही संभावित प्राप्तकर्ता की इच्छा अनौपचारिक रूप से पूछी जाती है।

मप्र में मंत्रीमंडल विस्तार पर दिल्ली में फिर दौड़-धूप...

मंत्री-सूची पर संगठन महामंत्री का संतोष पूछने पहुंचे मुख्यमंत्री

भोपाल नई दिल्ली/ दोपहर मेट्रो।

मप्र मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर वायदों के बीच मुख्यमंत्री डा मोहन यादव फिर दिल्ली में हैं। उन्होंने आज सुबह महामंत्री बीएल संतोष से मुलाकात की है और अब शाम को जेपी नड्डा से मिलने के बाद वे भोपाल लौटेंगे। माना जाता है तय नामों पर हाइकमान ने संगठन महामंत्री से सीएम को चर्चा करने व जरूरी रायशुमारी करने के लिए कहा। कैबिनेट में कल शाम तक विस्तार की संभावना है,यदि ऐसा नहीं होता है तो यह मामला आगे खिसक सकता है। वजह मोटे तौर पर यही मानी जा रही है कि भाजपा हाइकमान अभी राजस्थान का कैबिनेट विस्तार के पेंच नहीं सुलझा पा रहा है। वहां वसुंधरा राजे समर्थकों का भारी दबाव है। इससे भाजपा द्वारा राज्यों में बनाए जा रहे जातिगत व अन्य सियासी समीकरण प्रभावित हो रहे हैं। इसीलिये मप्र के विस्तार को होल्ड पर रखा गया है।

इधर यह भी खबरें हैं कि भाजपा हाइकमान ने मप्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री

को कहा है कि वे यह सुनिश्चित करें कि राज्य के सभी मंत्री सोमवार से गुरुवार तक राजधानियों में ही रहें। जबकि वे शुक्रवार से रविवार तक क्षेत्र में समय दें। उल्लेखनीय है कि मप्र की पिछली सरकार में भी सोमवार और मंगलवार को मंत्रियों को राजधानी में रहने के निर्देश थे।

कैबिनेट गठन में देरी में उठते रहे हैं कई सवाल

भाजपा की कैबिनेट बनने में देरी पर कई सवाल भी उठ रहे हैं। हालांकि कांग्रेस के राज्यों में भी कई बार कैबिनेट गठन को लेकर काफी देरी हुई है। पांच साल पहले कर्नाटक चुनाव के बाद कांग्रेस और जेडीएस ने मिलकर सरकार का गठन किया था। दोनों दलों के बीच फॉर्मूला तय होने में करीब 3 हफ्ते का वक्त लगा था तब भाजपा ने इस मुद्दे को कर्नाटक की जनता से जोड़ दिया था। पार्टी के आधिकारिक हैंडल से इसको लेकर पोस्ट भी किया गया फिर 2022 में हिमाचल में भी कांग्रेस को कैबिनेट विस्तार करने में 3 हफ्ते का वक्त लगा था। अभी तीन राज्यों में चुनाव के बाद भाजपा सिर्फ छत्तीसगढ में कैबिनेट गठन कर सकी है।

कांग्रेस हाइकमान ने भी किया बदलाव, मप्र के दिग्गज ड्यूटी से दूर

विधानसभाचुनाव में हार के बाद कांग्रेस हाइकमान ने लोकसभा चुनाव में यूथ वोटर्स को साधने के लिए दूसरी पंक्ति के नेताओं को आगे लाना शुरू किया है। कल बड़ा बदलाव करते हुए कई राज्यों के जो प्रभारी नियुक्त किए गए हैं जिसमें किसी भी सीनियर नेता की पसंद को मौका नहीं दिया गया है मध्यप्रदेश में दिग्विजय सिंह और कमलनाथ को कल राज्य प्रभारियों की सूची से अलग रखा गया है। फिलहाल इन दोनों नेताओं को कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई है। हालांकि मप्र के युवा विधायक ओकार सिंह मरकाम हाइकमान की पसंद बने हुए हैं उन्हें मेनिफेस्टो कमेटी में शामिल किया गया है। जानकार सूत्र बताते हैं कि कांग्रेस प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला से मप्र का प्रभार वापस लेकर जितेंद्र सिंह को दोने का फैसला भी इसीलिये लिये गया है ताकि वे यहां ज्यादा समय दे सकें और लोकसभा चुनाव की तैयारी पर नजर रखें। सुरजेवाला के पास कांग्रेस शासित कर्नाटक का प्रभार है। माना जा रहा है कि जितेंद्र सिंह मप्र के सभी संभागों का दौरा जल्द शुरू करेंगे।

अजान दे रहे पुलिस अफसर को गोली मारी

श्रीनगर , एजेंसी।

जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों ने बारामूला के गैंटमुल्ला, शीरी में एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी मोहम्मद शफ़ी की गोली मारकर हत्या कर दी। शफी जब मस्जिद में अज़ान दे रहे थे तो इस आतंकियों ने यह कायराना हरकत की। घायल हो गए शफी की बाद में मौत हो गई। इस आतंकी हमले के तुरंत बाद ही सुरक्षाबलों पूरे इलाके को घेर लिया और आतंकी हमले में शामिल आर्तकियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान जारी है। पुलिस ने इसे लेकर ट्वीट भी किया है और लोगों को इस इलाके से दूर रहने की सलाह दी गई है। गुरुवार को भी राजौरी में आतंकियों ने सेना की दो गाड़ियों पर घात लगाकर हमला किया था। इस हमले में सेना के 4 जवान शहीद हो गए थे।

जेएन 1 संक्रमण अभी गंभीर नहीं लेकिन सावधानी के अलावा विकल्प भी नहीं : गुलेरिया

नई दिल्ली , एजेंसी।

देशभर में एक बार फिर से कोरोना वायरस पैर पसार रहा है। सबसे ज्यादा कोरोना का नया वैरिएंट जेन1 डरा रहा है। रविवार सुबह स्वास्थ्य मंत्रालय ने 656 नए मरीज मिलने की पुष्टि की है। इस बीच एम्स के पूर्व डायरेक्टर और सीनियर डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने कहा है कि कोविड का नया सबवैरिएंट जेन.1 तेजी से फैल रहा है, लेकिन इससे गंभीर संक्रमण या अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति नहीं बन रही है। हालांकि नए वैरिएंट के मद्देनजर केंद्र सरकार ने राज्यों को अलर्ट रहने के लिए कहा है। वहीं कुछ पंजाब, कर्नाटक और ओडिशा समेत कई राज्यों ने मास्क अनिवार्य कर दिया है।

'गंभीर नहीं है जेएन1 वैरिएंट'

डॉ गुलेरिया ने कहा, यह सबवैरिएंट ज्यादा संक्रामक है और एक प्रमुख वैरिएंट बनता जा रहा है। हालांकि इसके ज्यादातर लक्षण सांस से जुड़े हुए हैं। इसमें बुखार, खांसी, जुकाम, गले में खराश, नाक बहना और शरीर में दर्द भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इससे जुड़ा डेटा यह भी बताता है कि यह गंभीर संक्रमण या अस्पताल में भर्ती होने का कारण नहीं बन रहा है।

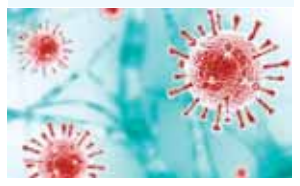

मेट्रो एंकर | भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण का नया फैसला...

50 रु में नया आधार कार्ड, न गलेगा न फटेगा

नई दिल्ली , एजेंसी।

आधार कार्ड ही आज के दौर में किसी व्यक्ति की सही पहचाना का 'आधार' बना हुआ है। यह अहम दस्तावेज फाइनेंशियल कामों के लिए भी ये अनिवार्य हो गया है। इसीलिये पुराना लैमिलेट वाला आधार कार्ड के विकल्प लाया जा रहा है। पुराना कार्ड पर्स में या जेब में रखे-रखे ये मुड़ या फट जाता है और फिर कई जगह यह मान्य होने में झंझट पैदा करता है। इस परेशानी से पूरी तरह निजात पाने के लिए आप पीवीसी आधार कार्ड महज 50 रुपये खर्च करने पर बनाने की सुविधा दी गई है। यह एटीएम कार्ड की तरह मजबूत होगा।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने आधार कार्ड यूजर्स को यह सहूलियत घर बैठे देने का फैसला किया है। इसके लिए घर से ऑनलाइन अप्लाईन किया जा सकता है। यह कार्ड न गलेगा न ही फटेगा। इसे बनाने के लिये मोबाइल या लैपटॉप की मदद से आवेदन होगा। इस आधार कार्ड को मंगवाने के लिए खर्च होने वाले 50 रुपये में स्पीड पोस्ट का खर्च भी शामिल है। परिवार के अन्य सभी सदस्यों का पीवीसी कार्ड मंगवाना के लिये भी अलग-अलग नंबरों से कॉल करने की जरूरत नहीं रखी गईज्ञ है, बल्कि एक ही नंबर से ऑर्डर करने की सुविधा भी दी गई है। ऑर्डर करने के बाद इसे घर तक आने में ज्यादा से ज्यादा 15 दिन लगेंगे।

अप्लाई करने का प्रोसेस

बताया जाता है कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (IDAI) द्वारा पीवीसी आधार कार्ड मंगवाने की प्रक्रिया को आसान बनाया गया है। इसके लिए UIDAI की वेबसाइट (https://uidai.gov.in) पर जाना होगा। फिर 'My Aadhaar Section' में 'Order Aadhaar PVC Card' पर क्लिक करें, 12 अंकों वाला आधार नंबर या 16 अंकों की वर्चुअल आईडी या फिर 28 अंकों की श्वढ्ढष्ठ बतायें, सिक्योरिटी कोड या कैप्चा डालें इससे रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक OTP आएगा।

राजधानी में क्रिसमस रैली

भोपाल। सर्व इसाई महासभा के तत्वधान में राजधानी में क्रिसमस रैली का आयोजन किया गया है महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेरी पॉल ने शहर व प्रदेश वासियों को प्रेम शांति सद्भावना का संदेश देते हुए यीशु मसीह के जन्म के पूर्व क्रिसमस की अग्रिम शुभकामनाएं दीं क्रिसमस रैली को आर्च बिशप सेबेस्टियन दुरई राज के द्वारा विशेष प्रार्थना करके रवाना किया गया यह रेली बिशप हाउस कोहेफिजा से पीर गेट, कमला पार्क, न्यू मार्केट, एमपी नगर, अन्ना नगर होते हुए अबधपुरी में जा कर समाप्त हुई क्रिसमस उत्सव रैली के अवसर पर । बड़ी संख्या में सामाजिक जन शामिल हुए।

कलियासोत के आसपास मिले 60 से ज्यादा अवैध कब्जे

नदी के किनारे मुक्त करने 31 तक डेडलाइन,फिर चलेगा बुल्डोजर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

चुनाव की लंबी प्रक्रिया के बीच सुस्त लग रहा प्रशासन अब नयी सरकार के गठन के बाद कुछ मामलों में मुस्तैद नजर आ रहा है। खासतौर पर कलियासोत नदी के दायरे में पसर चुके अतिक्रमणों पर अब फिर कार्रवाई के आसार बने हैं। बताया जाता है कि जेके अस्पताल, चार बड़ी कालोनी सहित 60 से अधिक अवैध कब्जे मिले हैं। इन अवैध निर्माण करने वालों को नगर निगम द्वारा नोटिस देकर 31 दिसंबर तक का समय दे दिया है। हालांकि इसके पीछे की वजह जिला प्रशासन को एनजीटी में 15 जनवरी तक समग्र रिपोर्ट तैयार कर पेश करना भी है। दरअसल,एनजीटी के आदेश पर जिला प्रशासन की राजस्व टीम ने कलियासोत नदी के 33 मीटर दायरे का सीमांकन शुरू किया था, जो कि हाल में पूरा कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार राजस्व निरीक्षक राजू ठेपे, पटवारी सहित अपनी टीम के साथ समरधा कलियासोत में सीमांकन की कार्रवाई लगभग दो घंटे में पूरी की तथा सीमांकन लिया गया।सीमांकन के दौरान अवैध निर्माण, नदी में कब्जा कर खेती किया जाना पाया गया है। पहले भी एनजीटी के आदेश पर कलियासोत और केरवा डेम के 33 मीटर दायरे का सीमांकन कराया गया था। कलियासोत डेम के आसपास सबसे ज्यादा 58 झुग्गियां मिली थीं। 15 अस्थायी डेरी, सात मंदिर, पांच रेस्त्रां, चार शेड, एक-एक समाधि, गोशाला, गेमजोन, स्कूल, मछली फार्म, मकान भी मिले थे। वहीं केरवा के 33 मीटर दायरे में 96 निर्माण मिले हैं। इनमें से 84 सरकारी और निजी जमीन पर 12 निर्माण थे।

टीम ने लगा दिए लाल निशान

अब तक हुए सीमांकन में जेके अस्पताल की बाउंड्री, चार बड़ी -बड़ी कालोनियां, क्लब हाउस, टीन शेड समेत 60 से अधिक कब्जे मिले हैं। राजस्व टीम द्वारा सीमांकन में जहां नदी में कब्जा बताया गया वहां पर नगर निगम की टीम ने लाल निशान लगाने के साथ ही पक्की मुनारे लगाने का भी काम किया है। इसी कार्रवाई के दौरान निगम के द्वारा कुल 60 अतिक्रमणकारियों को नोटिस देकर समय दिया गया है।

कब्जे कोलार, मंडीदीप में सबसे अधिक

बताया जाता है कि राजस्व और निगम की टीमों ने कलियासोत नदी के 33 मीटर दायरे का सीमांकन बावड़िया, बिलखिरिया, गुराड़ी घाट, नरेला हनुमत, समरधा कलियासोत, दामखेड़ा, सनखेड़ी से लेकर समरधा और मंडीदीप तक किया है। कोलार क्षेत्र में कलियासोत नदी के अंदर और मंडीदीप तरफ से बड़े -बड़े अतिक्रमण मिले हैं। लाल निशान लगने के बाद कब्जा करने वाले लोगों में हड़कंप है। अवैध निर्माण और कब्जा करने वाले निगम की भवन अनुज्ञा शाखा से लेकर तहसील कार्यालयों के चक्कर लगाने लगे हैं।

एक जनवरी से कार्रवाई

एसडीएम **प्रकाश सिंह चौहान** का कहना है कि कलियासोत नदी के सीमांकन की कार्रवाई पूरी हो चुकी है। इस दौरान जेके अस्पताल की बाउंड्री, क्लब हाउस, चार बड़ी कालोनियां सहित अन्य कब्जे मिले हैं। बताया जाता है कि कलियासोत नदी के 33 मीटर दायरे की सीमांकन कार्रवाई के बाद 60 लोगों को नोटिस दिए गए हैं आगे भी कुछ नोटिस जारी होने वाले हैं।

ट्रेन व स्टेशन परिसर में गंदगी करना पड़ा महंगा, भरना पड़ा 10 लाख रुपये जुर्माना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

चलती ट्रेन में और स्टेशन परिसर में गंदगी करना सात हजार रेल यात्रियों को महंगा पड़ा है। इन्हें गंदगी फैलाने के बदले 10 लाख रुपये का जुर्माना चुकाना पड़ा है। यह कार्यवाही पिछले आठ महीने में अप्रैल से लेकर नवंबर के बीच की है, जो भोपाल रेल मंडल ने भोपाल, रानी कमलापति, विदिशा, नर्मदापुरम, इटारसी जैसे स्टेशनों पर मंडल से गुजरने वाली ट्रेनों में की है। असल में भोपाल रेल मण्डल यात्रियों को स्टेशन परिसर एवं गाड़ियों में स्वच्छ, सुखद एवं पर्यावरण अनुकूल वातावरण मुहैया कराने के प्रति प्रयासरत है। स्टेशन परिसर की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के साथ-साथ नियमित उद्घोषणा द्वारा यात्रियों से स्टेशन परिसर एवं गाड़ियों में गंदगी नहीं करने का अनुरोध किया जा रहा है। तब भी कुछ यात्री है कि मानने को तैयार ही नहीं है। साल 2023-24 में अप्रैल से नवम्बर 2023 तक की बात की जाए तो भोपाल, रानी कमलापति, संत हिरदाराम नगर, इटारसी, नर्मदापुरम, हरदा, विदिशा, बीना, अशोकनगर , गुना आदि स्टेशनों पर 6930 यात्री गंदगी करते मिले। इन पर रेलवे की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किए और 10,52,745 रुपये जुर्माना वसूल किया है।

इधर गंदगी के बीच रेलवे का दावा– साफ सफाई कर रहे

गंदगी के नाम पर रेल यात्रियों के खिलाफ कार्यवाही करने वाला रेल प्रशासन स्टेशनों पर खुद साफ–सफाई में पिछड़ रहा है। मंडल के इटारसी स्टेशन की बात करें तो यहां का भगवान ही मालिक है। यह स्टेशन गंदगी से पटा पड़ा है। नियमित साफ–सफाई बिल्कुल भी नहीं हो रही है। पहले की तुलना में हालत और बिगड़ते जा रहे हैं। जबकि रेलवे दावा करता है कि स्टेशन परिसरों को संक्रमण मुक्त, साफ सुथरा बनाये रखने के लिए नियमित साफ सफाई का काम जारी है। स्टेशन पर सभी प्लेटफॉर्मों, कांकोर्स एरिया, सर्कुलेटिंग एरिया, एफओबी, रेलवे ट्रैक, स्टेशन यार्ड एरिया, शौचालयों आदि की बेहतर साफ सफाई सुनिश्चित कराई जा रही है। प्लेटफार्म, रेलवे ट्रैक, वेटिंग रूम, टिकट काउंटर, स्टाल, फुट ओवर ब्रिज एरिया को साफ सुथरा और संक्रमण मुक्त रखने के लिए विशेष निगरानी की जा रही है।

31 को भेल कारखाने में नहीं होगा अवकाश

भोपाल। भेल ने वर्ष 2023-24 की उत्पादन गति को प्राप्त करने 31 दिसंबर को रविवार अवकाश रद्द करने का निर्णय लिया. इसके बदले एक जनवरी को प्रतिकात्मक अवकाश, अधिकारियों और कर्मियों को मिलेगा. भेल के जनसंपर्क अधिकारी विनोद झा ने बताया कि 2023 की अंतिम तिमाही की वजह से उत्पादन लक्ष्य को हासिल करने के लिए 31 दिसंबर रविवार को कारखाने और कार्यालयों में आम दिनों की तरह कार्य होगा यानि अवकाश नहीं रहेगा, वही एक जनवरी को प्रतिकात्मक अवकाश कर्मचारी ले सकते हैं. झा ने बताया कि 31 दिसंबर को कस्तुरबा अस्पताल में अवकाश रहेगा. यहां सोमवार को सामान्य कार्य दिवस रहेगा. जिन विभागों में तीन पालियों में कार्य हो रहा है, वहां सामान्य रूप से कार्य चलता रहेगा।

एस.एच.आई.एम. में बुक रिव्यू सत्र

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

एस. एच. आई. एम. के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने छात्राओं के लिए 'बुक रिव्यू' सत्र का आयोजन किया। इसमें 200 से अधिक छात्राओं ने ऑटोबायोग्राफी, इतिहास, नॉन-फिक्शन पर आधारित किताबों का विश्लेषण किया। प्रमुख पुस्तकें जैसे 'द सीक्रेट', 'थ्री मिस्टेक्स ऑफ़ माय लाइफ', 'टुडे इड़े माय मोस्ट फेवरेट डे' जैसी किताबों को छात्राओं ने गहराई से समझा एवं उसका सार ग्रहण किया। इस सत्र का उद्देश्य छात्राओं में किताबों को पढ़ने की आदत को बढ़ाना था। इस सत्र से न केवल छात्राओं का ज्ञान वर्धन हुआ, बल्कि उनके संपूर्ण व्यक्तित्व में भी बदलाव आया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

साबू रीझवानी की रेडियो वार्ता 24 को

हिरदाराम नगर। सिंधी युवा और संस्कृति संस्कार व्यवहार के वर्तमान स्वरुप पर पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष साबू रीझवानी की आकाशवाणी पर वार्ता 24 दिसम्बर को प्रातः 9.30 बजे होगीं रीझवानी अपनी वार्ता में बताएंगे संस्कार क्या हे इष्ट देव भगवान झूलेलाल की संस्कारो पर प्रेरणा के साथ तथा संस्कार का हम पर क्या प्रभाव पड़ रहे है पर अपने विचारों के साथ युवा पीढ़ी में संस्कारों पर असर तथा भविष्य पर भी अपनी उम्मीद पर प्रकाश डालेंगे।

बाल रंग में मिठी के बच्चों ने हासिल किया तृतीय स्थान

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय बाल रंग प्रतियोगिता 2023 में मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के छात्रों ने क्रिएटिव आर्ट प्रदर्शनी में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। छात्रों द्वारा अनुपयोगी वस्तुओं से रचनात्मक व कलात्मक सामग्री बनाई गई थी। इस सामग्री से घर की साज-सज्जा बहुत ही आकर्षक तरह से की जा सकती है। विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई सामग्री में सर्वाधिक आकर्षण का केन्द्र बना गोबर शिल्प। गोबर से तैयार की गई सामग्री में मोबाईल स्टैण्ड, धूपबत्ती स्टैण्ड प्रमुख रूप से सम्मिलित थे। प्रदर्शनी में छात्र कुणाल रामनानी ने लाईव पोर्टेट बनाया। निखिल सिंह, निहाल सिंह, नैतिक सिंह, लक्ष्य शर्मा, वंश बेगवानी, तन्मय जैन, जयंत गुप्ता ने प्रतिभागिता की। इन विद्यार्थियों ने हेंडमेड ज्वेलरी, गृह साज-सज्जा का सामान आदि बनाया।

मेट्रो एंकर संतजी के शिष्य सिद्धभाऊजी का जन्मोत्सव मना

बच्चों ने कहा- बार-बार दिन ये आए, हैप्पी बर्थ डे टू यू

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

स्वामी हिरदाराम साहिब के शिष्य सिद्धभाऊजी का जन्म दिन संतनगर की शिक्षण संस्थाओं में मनाया गया। बच्चों ने बार-बार दिन ये आए हैप्पी बर्थडे टू यू भाऊजी गाकर बधाई दी। सभी से स्वस्थ दीघायु की कामना की।

शहीद हेमू कालानी एज्युकेशन सोसायटी की शिक्षण संस्था मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल, नवनिध गर्ल्स स्कूल, विद्या सागर पब्लिक स्कूल व अन्य संस्थाओं में सिद्धभाऊजी का जन्म दिन मनाया गया। स्कूल प्रबंध समिति के पदाधिकारियों ने कहा, ÷प्यारे बच्चों आज हमारे सिद्ध भाऊजी का जन्मदिन है आप सभी को उनका आशीर्वाद लेना है एवं अच्छी बातें सीखनी है।÷ कार्यक्रमों में सोसायटी के हीरो ज्ञानचंदानी, एसी साधवानी, गोपाल गिरधानी, घनश्याम बूलचंदानी, भगवान दामानी, एल के जनियानी, गोपाल गिरधानी व प्राचार्यों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर लेखन प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता एवं चित्रकला प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र दिए गए।

साधु वासवानी स्कूल में संतजी के शिष्य सिद्धभाऊजी का जन्म दिन मनाया गया। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने उनका जीवन धन्य है, एक गुरु को सच्ची खुशी तब होती हैं जब उनका शिष्य ऊंचाईयों को छूता हैं। ऐसे ही संतजी के शिष्य है सिद्धभाऊजी। समाजसेवी बसंत चेलानी, पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष साबूमल रीझवानी भाऊजी के जीवन को रेखांकित किया। छात्रा भूमिका ने भाऊजी पर विचार रखे। साक्षी ने कविता सुनाई। विद्यार्थियों ने बार-बार दिन ये आए, बार-बार दिल ये गाए आप जियो हजारों साल हमारी ये है आरजू हैप्पी बर्थ-डे टू यू भाऊजी गीत प्रस्तुत किया। संस्कार स्कूल परिवार ने सिद्धभाऊजी को जन्मदिन की बधाई दी। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी व अन्य पदाधिकारियों ने भाऊजी के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

आईएएएस के बाद अब आईपीएस प्रयोग

अब सीनियर पुलिस अफसर संभालेंगे संभागों की कमान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में नयी सरकार के बाद अब प्रशासन में नये प्रयोग शुरू हो गये हैं। मुख्यमंत्री डा. मोहन ने संभागीय समीक्षा को मजबूत बनाने के लिये अपर मुख्यसचिव स्तर के अफसरो को संभागों का प्रभार देने के बाद अब अतिरक्ति पुलिस महानिदेशक स्तर के अफसरों को संभाग का जिम्मा दिया है। यह अफसर संभागीय बैठकों में उपस्थित रहेंगे और कानून व्यवस्था को लेकर दिए जाने वाले निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराएंगे। इन्हें भी दो माह में कम से कम एक बार आवंटित संभाग के जिलों का दौरा करना होगा। प्रत्येक माह वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पुलिस कार्यों की समीक्षा भी करेंगे। इस संबंध में गृह विभाग द्वारा दिए निर्देश में कहा गया है कि जिलों में यदि कोई विषय पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं के समन्वय से संबंधित है तो पहल करते हुए निराकरण कराएं और पुलिस महानिदेशक के संज्ञान में विषय लाएं। कानून व्यवस्था, त्योहार एवं अन्य आयोजन के दौरान पुलिस व्यवस्था की समीक्षा करें। नियमित एवं अनियंत्रित ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध की समीक्षा, प्रत्येक जिले में पुलिस बैंड का गठन, आदतन अपराधियों की जमानत निरस्त कराने की कार्रवाई, पुलिस थानों की सीमा के युक्तियुक्तकरण, उच्च पद के प्रभार, वेतनमान-समयमान वेतनमान से जुड़े मामलों की समीक्षा करके निराकरण सुनिश्चित कराएं।

इन्हें मिला प्रभार

विजय कटारिया भोपाल, आलोक रंजन नर्मदापुरम्, प्रज्ञा रिचा श्रीवास्तव ग्वालियर,योगेश मुदगल-शहडोल, पवन श्रीवास्तव- चंबल, अनिल कुमार- रीवा,संजीव शमी- सागर,चंचल शेखर-जबलपुर,जयदीप प्रसाद- इंदौर,योगेश देशमुख- उज्जैन।

छोटी-बड़ी खबरें

स्थानांतरण के लिए 25 तक विकल्प प्रस्तुत कर सकेंगे अतिथि विद्वान

भोपाल, दोपहर मेट्रो। उच्च शिक्षा विभाग ने अतिथि विद्वानों के स्थानांतरण का आदेश जारी कर दिया है। प्रदेश के सरकारी महाविद्यालयों में रिक्त पदों के विरुद्ध सेवा देने वाले अतिथि विद्वान 25 दिसंबर तक अपना विकल्प प्रस्तुत कर सकते हैं। ऐसे अतिथि विद्वान जो अपने निवास स्थान से काफी दूर सेवाएं दे रहे हैं, खासकर महिला अतिथि विद्वान को इस आदेश के जारी होने से काफी राहत मिलेगी। आदेश के अनुसार नवीन नीति 5 अक्टूबर 2023 की कंडिका 8 के अनुपालन में कार्यरत और मध्यप्रदेश के मूल निवासी अतिथि विद्वानों का ही स्थानांतरण होगा, केवल वे ही 25 दिसंबर तक अपना विकल्प प्रस्तुत करें।

इग्नू में एडमिशन के लिए एंट्रेंस टेस्ट 7 को

भोपाल, दोपहर मेट्रो। इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) के कोर्स में प्रवेश लेने के लिए एंट्रेंस टेस्ट सात जनवरी को आयोजित किया जाएगा। रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 31 दिसंबर है। इसके तहत बैचलर ऑफ एजुकेशन (बीएड), बीएससी नर्सिंग और पीएचडी शामिल हैं। बीएड और बीएससी नर्सिंग कोर्स जनवरी से शुरू होंगे, जबकि पीएचडी जुलाई से शुरू होगी। एंट्रेंस टेस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन होंगे।

हिन्दी यूनिवर्सिटी का दीक्षांत कल

भोपाल, दोपहर मेट्रो। अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 25 दिसंबर को आयोजित होगा। दीक्षांत समारोह में लगभग 171 विद्यार्थियों को डिग्री और मेडल दिए जाएंगे इसमें 4 विद्यार्थियों को गोल्ड, 2 को सिल्वर और 3 को कांस्य पदक मिलेगा। यह कार्यक्रम कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में होगा। इसमें मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल मंगुभाई पटेल पटेल द्वारा की जाएगी।

अगस्त में पहला बजट

बजट के 'मौसम' में लेखानुदान लाएगी मध्यप्रदेश सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो। हाल में गठित मप्र की मोहन यादव सरकार इस बार मार्च में बजट के बजाए लेखानुदान लाने की तैयारी में है। इसके लिये फरवरी में विधानसभा का बजट सत्र होगा, जिसमें एक लाख करोड़ रुपये तक लेखानुदान प्रस्तुत किया जा सकता है। इसमें कोई नई घोषणा नहीं होगी। जबकि पूर्ण बजट अगस्त में आएगा। बताया जाता है कि लेखानुदनान में इसमें चार माह (अप्रैल से जुलाई) के लिए वित्तीय प्राधान किया जाएगा। कोई नई घोषणा नहीं होगी। वित्त विभाग ने सभी विभाग प्रमुखों को दिए निर्देश में कहा है कि लेखानुदान के लिए नए मद के प्रस्ताव न दें। लेखानुदान के साथ-साथ वार्षिक बजट की तैयारियां भी चलेंगी।

बताया जाता है कि लेखानुदान के साथ-साथ वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए द्वितीय अनुपूरक बजट भी प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें लाड़ली बहना योजना के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए अतिरिक्त राशि का प्रविधान किया जाएगा। इसके साथ ही सड़क, पुल, सिंचाई परियोजना, जल जीवन मिशन, अस्पतालों के लिए अतिरिक्त राशि का प्रविधान किया जा सकता है। हीं, लेखानुदान में पूर्व से संचालित योजनाओं के लिए वार्षिक बजट के अनुसार प्रविधान रखा जाएगा। इसके प्रस्ताव विभाग प्रमुख के माध्यम से आनलाइन भेजे जाएंगे। वित्त विभाग इनका परीक्षण कर संबंधित विभाग के उप सचिव से चर्चा करके आगे बढ़ाया जाएगा। नई घोषणा के प्रस्ताव चर्चा में नहीं लिए जाएंगे। वार्षिक बजट तीन लाख 35 हजार करोड़ रुपये के आसपास रहेगा। इसके हिसाब से विभागों को तैयारी करने के लिए कहा गया है। मुख्यमंत्री फरवरी में बजट को लेकर बैठकें करेंगे।

भत्ता बढाने की कवायद

मप्र में कर्मचारियों को 42 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता दिया जा रहा है। केंद्र सरकार इसे बढ़ाकर 46 प्रतिशत कर चुकी है। प्रदेश सरकार भी इसे बढ़ाने की तैयारी है। आगामी वित्तीय वर्ष में इसके लिए 56 प्रतिशत की दर से प्रावधान रखा जाएगा। वेतन के लिए तीन प्रतिशत की वृद्धि के साथ राशि रखने के लिए कहा गया है। संविदा कर्मचारियों के पारिश्रमिक में आठ प्रतिशत की वृद्धि बजट में रखी जाएगी। मजदूरी मद में पांच, कार्यालय व्यय (पेट्रोल-डीजल सहित अन्य) के लिए पांच, सुरक्षा, परिवहन और सफाई के लिए दस प्रतिशत तक वृद्धि के अनुसार प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे।

आरजीपीवी में मारपीट का मामला

बीस विद्यार्थियों को थमाया नोटिस, 27 को बयान दर्ज कराएगा बोर्ड

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में छात्रों के बीच वर्चस्व की लड़ाई खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। एक बार फिर छात्रों के दो गुट आपस में भिड़ गए। इसमें एक छात्र का सिर फूट गया। मामले में आरजीपीवी प्रबंधन ने सख्त रूख अपनाते हुए 20 छात्रों को नोटिस जारी किया है। 23 से 25 दिसंबर तक सरकारी अवकाश के चलते 27 दिसंबर को बोर्ड दोनों गुटों से पूछताछ करेगा और बयान दर्ज होंगे। जांच रिपोर्ट के आधार पर प्रबंधन कार्रवाई करेगा। बताया जा रहा है कि यदि पिछली घटनाओं के छात्रों के नाम आते हैं, तो उन्हें संस्थान से भी बाहर किया जा सकता है।

एक साल में चार रैगिंग के मामले, कुल 21 घटनाएं : राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में पिछले एक साल में 21 घटनाएं हो चुकी हैं। इनमें से 10 चोरी, 5 लूट, 4 रैगिंग, मारपीट और 2 यौन उत्पीड़न की घटनाएं शामिल हैं।

यह है पूरा मामला

उल्लेखनीय है कि, आरजीपीवी के हॉस्टलों में रह रहे यूआईटी के छात्रों के दो गुट हैं। इसमें भेल गुट और छात्र संघ के गुट के बीच वर्चस्व की लड़ाई चलती रहती है। साल भर में छात्रों में आपसी मारपीट की यह चौथी घटना है। ऐसे ही एक मामले में आरजीपीवी ने करीब दो माह पूर्व एक दर्जन छात्रों पर 25-25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया था। इसके बाद भी बीते शुक्रवार को छात्रों के दो गुट आपस में भिड़ गए थे। इसमें एक छात्र का सिर फूट गया। उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत ठीक नहीं है। मारपीट का शिकार हुए छात्र द्वारा एफआईआर दर्ज कराने साथ ही विवि प्रबंधन ने 20 छात्रों के नाम नोटिस भेजे गए हैं।

पटवारी बोले- किसानों से वादा निभाए भाजपा सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश के किसानों को किसान दिवस की बधाई देते हुए कहा है कि खाद, डीज़ल, कीटनाशकों के दाम बढ़ने से खेती की लागत अब इतनी हो गई है कि समर्थन मूल्य पर फसल खरीद भी घाटे का सौदा हो गई है। इसीलिए, कांग्रेस और भाजपा ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में धान और गेंहू का समर्थन मूल्य नए सिरे से निर्धारित किया था। भारतीय जनता पार्टी ने धान और गेहूं के समर्थन मूल्य को को 'मोदी की गारंटी' के साथ धान के 3100 रूपये और गेंहू के 2700 रूपये प्रति क्विंटल की दर से समर्थन मूल्य तय किया था। पटवारी ने कहा कि भाजपा को बड़ा दिल दिखाकर किसानों के हित की धान और गेहूं पर 3100 और 2700 रूपये समर्थन मूल्य देने की अपनी घोषणा पहली कैबिनेट में ही अमल में लाना थी मगर ऐसा नहीं हुआ। सरकार को चाहिये कि वह अपना वादा निभाये, वरना कांग्रेस हर स्तर पर विरोध करेगी।

दो दिन बाद कॉलेजों में शुरू होगी प्रवेश प्रक्रिया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

26 दिसंबर से तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा फार्मेसी के लगभग 150 कॉलेजों प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। यह प्रक्रिया 30 दिसंबर तक चलेगी। एक सितंबर से कॉलेज लेवल काउंसलिंग का लास्ट राउंड शुरू किया था। पहले राउंड में 6738 एवं दूसरे राउंड में 4887 विद्यार्थियों ने एडमिशन लिया। आईपीएस की सीटों पर 69 विद्यार्थियों ने एडमिशन लिया। बता दें बी-डी फार्मेसी की कुल 26 हजार 540 सीटों में इस साल 21 हजार 153 विद्यार्थियों ने एडमिशन लिया है। ऐसे में 5 हजार 387 सीटें खाली हैं।

मेट्रो एंकर | हुकुममचंद मिल का मामला

30 साल पुरानी देनदारियों की अदाएगी, 464 करोड़ रुपए मिलेंगे मजदूरों को

भोपाल दोपहर मेट्रो। इंदौर की हुकुमचंद मिल के मजदूरों को 464 करोड़ रुपये की राशि वितरण मुख्यमंत्री मोहन यादव कल करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर सुशासन दिवस पर इंदौर के कनकेश्वरी धाम में आयोजित हितलाभ वितरण के इस कार्यक्रम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअली जुड़ेंगे। इस सिलसिले में मुख्यमंत्री ने मंत्रालय में अधिकारियों के साथ बैठक की और इस कार्यक्रम के लिए चल रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए जरूरी दिशा-निर्देश दिये हैं।

दरअसल हुकुमचंद मिल के मजदूरों की 30 साल से देनदारियां बकाया हैं। देनदारियों के इस भुगतान से हुकुमचंद मिल के 4800 श्रमिकों से जुड़े परिवारों के लगभग 25 हजार लोगों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इंदौर जिला प्रशासन को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि यह राशि सीधे मजदूरों को ही मिले। इस संदर्भ में उन्होंने मजदूर संघों से बात करने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बैठक में अधिकारियों से प्रदेश की अन्य बंद मिलों और उनके मजदूरों को होने वाले भुगतान की लंबित जानकारी भी तलब की।

फाइल फोटो

प्रवाह
रविवारीय
04
दोपहर मेट्रो भोपाल, रविवार, 24 दिसंबर 2023 www.dopaharmetro.com

निलंबित सांसदों को लेकर गुस्सा क्यों नहीं दिख रहा? भारतीय वोट तो देते हैं पर संस्थानों की रक्षा नहीं करते

■ वीर सांघवी

जैसा कि हमने हाल ही में देखा है, ऐसे समय होते हैं जब वास्तविकता सोच से भी कहीं अधिक अजनबी होती है। 13 दिसंबर को, प्रदर्शनकारी गैस कनस्तर लेकर संसद में घुस गए। वे सदन के पटल पर कूद पड़े और अपने कनस्तरों से रंगीन गैस बाहर निकाल दिया। सौभाग्य से, उनमें जहरीली गैस या आंसू गैस जैसा कुछ भी नहीं था जैसा कि कुछ सांसदों को डर था। गैस नुकसान पहुंचाने वाला नहीं था। प्रदर्शनकारी स्पष्ट रूप से अपनी बात रखने की कोशिश कर रहे थे न कि सदन के सदस्यों की हत्या करने की। यह तथ्य है कि प्रदर्शनकारी 2001 में संसद पर हुए घातक हमले की बरसी पर इतनी आसानी से संसदीय सुरक्षा में सेंध लगाने में सफल रहे। 2001 के हमले में नौ लोग मारे गए (पांच आतंकवादियों को छोड़कर) और यह चौंकाने वाली और भयावह घटना थी। लेकिन इस बार रहस्य तब और गहरा गया जब यह पता चला कि मैसूर से भारतीय जनता पार्टी के सांसद प्रताप सिम्हा ने कथित तौर पर प्रदर्शनकारियों को संसद तक पहुंचने की इजाजत देने वाले पास दिलवाए थे। आपको क्या लगता है कि सरकार और संसद चलाने वाले संवैधानिक अधिकारियों (राज्यसभा के सभापति और लोकसभा अध्यक्ष) ने सुरक्षा के इस गंभीर उल्लंघन पर क्या प्रतिक्रिया दी? हमलावरों को पास देने वाले सांसद को निलंबित करके? केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से लोकसभा और राज्यसभा दोनों में बयान देकर यह बताने को कहा गया कि ऐसा हमला कैसे हो सकता है? नहीं। उपरोक्त में से कुछ भी नहीं हुआ। अब तक बीजेपी सांसद को निलंबित नहीं किया गया। शाह ने दोनों सदनों में कोई बयान नहीं दिया।

इसके बजाय, दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों ने 141 सांसदों को निलंबित कर दिया, जिनमें से सभी विपक्ष के थे। सांसदों ने गुस्से में प्रदर्शन करते हुए गृह मंत्री से हमले पर बयान देने की मांग की थी। जवाब में, उन्हें बाहर कर दिया गया। लोकसभा में विपक्ष की ताकत दो-तिहाई कम होने के साथ, सरकार ने महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए जो देश में आपराधिक कानून में सुधार लाएंगे। यदि किसी पटकथा लेखक ने किसी राजनीतिक फिल्म या वेब शो (ऐसा नहीं है कि आजकल आप आसानी से राजनीतिक शो बना सकते हैं) में ऐसा अनुक्रम लिखा होता, तो निर्देशक ने इसे शामिल करने से इनकार कर दिया होता। पटकथा लेखक को बताया गया होगा, इस तरह के अवास्तविक कथानक पर कौन विश्वास करेगा। कोशिश करो और इसे विश्वसनीय बनाओ। इसे असली बनाए रखें। और अब तक हम यहीं हैं। यह नई हकीकत है।पीठासीन अधिकारियों के प्रति निष्पक्ष रहने के लिए, कई निलंबित सांसद सदन के वेल में पहुंच गए और संसद के कामकाज में बाधा डाली। यह संसद की गरिमा का अपमान हो सकता है। लेकिन यह भी, चाहे अच्छा हो या बुरा, भारत में असामान्य नहीं है। सांसद अक्सर सदन के वेल में आ जाते हैं। सामान्य प्रतिक्रिया यह है कि कार्यवाही स्थगित कर दी जाए और उम्मीद की जाए कि जब यह दोबारा होगी तो व्यवस्था बहाल हो जाएगी। केवल बेहद खराब व्यवहार के मामलों में ही सांसदों को निलंबित किया जाता है। भारत के इतिहास में इससे पहले कभी भी दो-तिहाई विपक्ष को निलंबित नहीं किया गया था।

> हम इंदिरा गांधी के आपातकालीन शासन की हार को रूमानी रूप देते हैं। निश्चित रूप से, भारत 1977 में लोकतंत्र की संस्थाओं की रक्षा के लिए समग्र रूप से खड़ा नहीं हुआ था. यह नसबंदी के कारण हुआ था

आपातकाल से सबक

हम पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आपातकालीन शासन की हार को पीछे मुड़कर रोमांटिक रूप देने की प्रवृत्ति रखते हैं। हालांकि, सच्चाई यह है कि जब वह 1977 में हार गईं, तब भी उन्होंने उत्तर तो खो दिया लेकिन दक्षिण में अपनी उपस्थिति को बरकरार रखा। कांग्रेस ने हर दक्षिण भारतीय राज्य और महाराष्ट्र और असम में जनता पार्टी को हराया।मुख्य रूप से संजय गांधी के नेतृत्व में चलाए गए जबरन नसबंदी अभियान के कारण कांग्रेस हिंदी बेल्ट हार गई। अगर नसबंदी न होती तो क्या होता, कुछ कहा नहीं जा सकता। निश्चित रूप से, भारत 1977 में लोकतंत्र की संस्थाओं की रक्षा के लिए समग्र रूप से खड़ा नहीं हुआ था- न्यायपालिका की स्वतंत्रता, स्वतंत्र प्रेस की भूमिका और संसद की स्थिति, सभी आपातकाल के दौरान क्षतिग्रस्त हो गए थे। हालिया स्मृति में मोदी के सबसे चतुर राजनेता होने का एक कारण यह है कि उन्होंने इस बात पर काम किया है कि यदि आप अपनी पार्टी को स्थायी चुनाव मोड में रखते हैं, तो आप उन घनी आबादी वाले राज्यों में जनता का समर्थन बनाए रख सकते हैं जो आपका आधार हैं।और फिर, आप लोकतंत्र की संस्थाओं के साथ जो चाहें वह कर सकते हैं। आखिरकार, आपकी पार्टी लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई है, है ना?

इसके अलावा, संसद को बाधित करने के बारे में आत्मतुष्ट होने के लिए बीजेपी आवश्यक रूप से सर्वोत्तम स्थिति में नहीं है। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) II के दौरान, यह बीजेपी ही थी जो नियमित रूप से संसद को बाधित करती थी। लोकसभा में बीजेपी की तत्कालीन विपक्ष की नेता सुषमा स्वराज से कम कोई व्यक्ति नहीं, जिन्होंने 2012 में घोषणा की थी कि संसद को चलने न देना भी किसी अन्य रूप की तरह लोकतंत्र का एक रूप है। और राज्यसभा में विपक्ष के तत्कालीन नेता अरुण जेटली के इस बयान के बारे में क्या ख़याल है कई बार, संसद का उपयोग मुद्दों को नज़रअंदाज़ करने के लिए किया जाता है और ऐसी स्थितियों में संसद में बाधा डालना लोकतंत्र के पक्ष में है। इसलिए, संसदीय कार्य में बाधा डालना अलोकतांत्रिक नहीं है। हो सकता है कि वह पिछले कुछ दिनों की घटनाओं के बारे में बात कर रहे हों। जेटली ने संसद में बाधा डालने और बाधित करने का अधिकार कभी नहीं छोड़ा। एक साल बाद जब उन्होंने देश को बताया था कि संसदीय बाधा लोकतंत्र के पक्ष में है, वह फिर से उसी स्थिति में थे। उन्होंने कहा, ऐसे मौके आते हैं जब संसद में रुकावट से देश को अधिक लाभ होता है। मुझे लगता है कि स्वराज और जेटली गलत थे। हालांकि, बीजेपी उनके बार-बार दिए गए बयानों से इनकार नहीं कर सकती, जो पार्टी की नीति बन गई है। अब वह जो चाहती है वह यह है कि बीजेपी के लिए एक नियम हो और बाकी सभी के लिए दूसरा।दो प्रश्न बाकी हैं। पहला सरकार विपक्षी सांसदों को क्यों निलंबित कर रही है? हां, मैं जानता हूं कि दोनों पीठासीन अधिकारी औपचारिक रूप से सरकार का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन सामान्य ज्ञान के हित में, क्या हम इसे छोड़ सकते हैं? संक्षिप्त उत्तर – और इन दिनों लगभग हर प्रश्न का उत्तर यह है कि सरकार ऐसा कर रही है क्योंकि वह ऐसा कर सकती है। इसे कौन रोकेगा?

हालिया विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद बीजेपी का मानना है कि उसे केंद्र की सत्ता में वापस आने से कोई नहीं रोक सकता। उसका मानना है कि विपक्ष कम से कम राष्ट्रीय स्तर पर अप्रासंगिक है। इसलिए, सरकार को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि विपक्ष क्या मानता है या क्या चाहता है।न ही पार्टी खुद को संसद में विपक्ष के प्रति जवाबदेह मानती है। हां, सुरक्षा उल्लंघन हुआ था, ऐसा उसके रवैये से प्रतीत होता है, लेकिन हम इसे स्वयं संभाल लेंगे। स्पष्टीकरण मांगने वाले आप कौन होते हैं? और जब विपक्ष प्रतिक्रिया से परेशान है और इसके बारे में हंगामा कर रहा है, तो बीजेपी ने अपने सांसदों को सदन से बाहर निकालकर उसे चुप करा दिया।और यहां दूसरा प्रश्न है, क्या कोई सार्वजनिक आक्रोश होगा जो देश के भीतर सरकार की स्थिति को नुकसान पहुंचाएगा? क्या इस व्यवहार की स्पष्ट मनमानी प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिष्ठा के आसपास की छवि को कम कर देगी? क्या इससे बीजेपी की चुनावी संभावनाओं पर कोई फर्क पड़ेगा? उत्तर स्पष्ट है नहीं, बिल्कुल नहीं। इसके दो कारण हैं। सबसे पहली बात तो यह कि भारतीय जनता को शोर मचाने वाले राजनेताओं से कोई खास प्रेम नहीं है। वह सत्र के सीधे प्रसारण के दौरान सांसदों की नोकझोंक के तमाशे से भयभीत है और उसे इस बात की ज्यादा परवाह नहीं है कि उनके साथ क्या होता है। यदि कोई सांसदों को चुप करा देता है, तो सामान्य प्रतिक्रिया उदासीनता या राहत की होती है।अधिक महत्वपूर्ण बात यह है, भारतीय लोकतंत्र का सम्मान करते हैं लेकिन उन संस्थानों के महत्व को नहीं पहचानते जो इसे काम में लाते हैं। भारतीय मतदाताओं को लगता है कि उनके पास अपने राजनेताओं को वोट देने या बाहर करने की शक्ति है। और यह उनके लिए काफी है; यह लोकतंत्र के बारे में है।वे यह नहीं मानते कि चुनाव तब तक निरर्थक हैं जब तक आप उन संस्थानों की रक्षा नहीं करते जो लोकतंत्र को कार्य करने की अनुमति देते हैं।

(**साभार:** द प्रिंट लेखक टेलीविजन पत्रकार और टॉक शो होस्ट हैं। यह उनके अपने विचार हैं।)

अमृता के घर की छत... इमरोज

कलाकार-कवि इमरोज इस दुनिया को शुक्रवार को अलविदा कह गए। मुंबई स्थित आवास पर इमरोज ने अंतिम सांस ली। वे 97 वर्ष के थे और उम्र संबंधी समस्याओं से पीड़ित थे। इमरोज का मूल नाम इंद्रजीत सिंह था। इमरोज दरअसल मशहूर लेखिका अमृता प्रीतम के साथ अपने रिश्ते के बाद काफी लोकप्रिय हो गए थे। लेकिन इमरोज का सिर्फ यही परिचय नहीं हैं। उन्होंने रिश्ते और चाहत का ऐसा व्याकरण रचा है जो आसानी से देखने को नहीं मिलता। जब वे अपने अंतिम समय में पाइप के जरिये भोजन ले पा रहे थे,तब भी वे कहते थे अमृता यहीं हैं, मेरे साथ!

हालांकि, अमृता व इमरोज ने कभी शादी नहीं की, लेकिन 40 साल तक एक-दूसरे के साथ ही रहे। इमरोज की जिंदगी से जुड़े कई ?f?दलचस्प किस्से हैं। मगर इमरोज मशहूर लेखिका अमृता प्रीतम के साथ अपने रिश्ते को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा में रहे। वे अमृता प्रीतम के लंबे समय तक साथी रहे। गीतकार-कलाकार के निधन के बाद दोस्तों और रिश्तेदारों का कहना है कि 2005 में अमृता के निधन के बाद भी वे उनकी यादों में जीवित रहीं। इमरोज के निधन की पुष्टि उनकी करीबी दोस्त अमिया कुंवर ने की। उन्हों और यह तक कहा कि ÷इमरोज कुछ दिनों से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह एक पाइप के माध्यम से खाना खा रहे थे, लेकिन वह अमृता को एक दिन के लिए भी नहीं भूल पाए। वे कहते थे %अमृता है, यहीं है%। इमरोज ने भले ही आज भौतिक दुनिया छोड़ दी हो, लेकिन वह केवल अमृता के साथ स्वर्ग में गए हैं%।

अमृता प्रीतम के साथ न रहकर भी इमरोज उनके हमसाए रहे हैं। जब अमृता अपनी किताब का कवर डिजाइन करने के लिए किसी की तलाश कर रही थीं, तब उनकी मुलाकात इमरोज से हुई थी। अमृता की शादी लाहौर के कारोबारी प्रीतम सिंह से हुई थी और इमरोज इस बात को जानते थे, लेकिन फिर भी उनका मानना था कि प्रेम से बढ़कर कुछ भी नहीं है। अमृता भी कहती थीं, %साहिर मेरी जिंदगी के लिए आसमान हैं और इमरोज मेरे घर की छत%। इमरोज ने अमृता प्रीतम के लिए कविताओं की एक पुस्तक संग्रह भी लिखी थी- 'अमृता के लिए नज्म जारी है'। इस पुस्तक का प्रकाशन हिंद पॉकेट बुक्स ने वर्ष 2008 में किया था। इस पुस्तक में वे अमृता के लिए अपना प्यार जाहिर करते हुए लिखते हैं, %कभी-कभी, खूबसूरत खयाल, खूबसूरत बदन भी । बता दें कि कवि इमरोज ने अमृता प्रीतम के लिए कविताओं की एक पुस्तक संग्रह भी लिखी थी- 'अमृता के लिए नज्म जारी है'। इस पुस्तक का प्रकाशन हिंद पॉकेट बुक्स ने वर्ष 2008 में किया था।

जन्मदिन की मुलाकात

एक बार इमरोज़ ने याद करते हुए कहा था जब अमृता से पहली मुलाकात हुई तो उन्हें अपनी किताब के कवर का डिज़ाइन भी पसंद आ गया और आर्टिस्ट भी। उसके बाद मिलने-जुलने का सिलसिला शुरू हो गया। हम दोनों पास ही रहते थे। मैं साउथ पटेल नगर में और वो वेस्ट पटेल नगर में। एक बार मैं यूँ ही उनसे मिलने चला गया। बातों-बातों में मैंने कह दिया कि मैं आज के दिन पैदा हुआ था। गांवों में लोग पैदा तो होते हैं लेकिन उनके जन्मदिन नहीं होते। वो एक मिनट के लिए उठीं, बाहर गईं और फिर आकर वापस बैठ गईं। थोड़ी देर में एक नौकर प्लेट में केक रखकर बाहर चला गया। उन्होंने केक काट कर एक टुकड़ा मुझे दिया और एक खुद लिया। ना उन्होंने हैपी बर्थडे कहा ना ही मैंने केक खाकर शुक्रिया कहा। बस एक-दूसरे को देखते रहे। आँखों से ज़रूर लग रहा था कि हम दोनों खुश हैं। इमरोज के शब्दों में ये तो एक शुरुआत भर थी लेकिन इससे बरसों पहले अमृता के ज़हन में एक काल्पनिक प्रेमी मौजूद था और उसे उन्होंने राजन नाम भी दिया था। अमृता ने इसी नाम को अपनी ज़िंदगी की पहली नज़्म का विषय बनाया।

अमृता की पहली नज्म

एक बार अमृता ने भी बीबीसी से बात करते हुए कहा था कि जब वो स्कूल में पढ़ती थीं तो उन्होंने एक नज़्म लिखी। उसे उन्होंने ये सोचकर अपनी जेब में डाल लिया कि स्कूल जाकर अपनी सहेली को दिखाऊँगी। मगर जब अमृता अपने पिता के पास कुछ पैसे मांगने गईं तो उन्होंने वो पैसे उनके हाथ में न देकर उनकी जेब में डालने चाहे। उसी जेब में वो नज़्म रखी हुई थी। पिता का हाथ उस नज़्म पर पड़ा तो उन्होंने उसे निकालकर पढ़ लिया। पिता ने पूछा कि क्या इसे तुमने लिखा है। अमृता ने झूठ बोला कि ये नज़्म उनकी सहेली ने लिखी है, फिर पूछा कि राजन कौन है? अमृता ने कहा, कोई नहीं। पर पिता को ऐतबार नहीं हुआ और उन्होंने उन्हें ज़ोर से चपत लगाकर वो काग़ज़ फाड़ दिया। अमृता बताती हैं, %%ये हश्र था मेरी पहली नज़्म का। झूठ बोलकर अपनी नज़्म किसी और के नाम लगानी चाही थी लेकिन वो नज़्म एक चपत को साथ लिए फिर से मेरे नाम लग गई।

अकेलापन महसूस करने में शर्मिंदगी कैसी, मिलने-जुलने से खुलेंगे संबंधों के बंद द्वार

■ गुलाम अहमद

मनः प्रसादः सौम्यत्वं मौनमात्मविनिग्रहः। भावसंशुद्धिरित्येतत्तपो मानसमुच्यते।।

अर्थात् मन में संतुष्टि का भाव, सभी प्राणियों के प्रति आदर का भाव, केवल ईश्वरीय चिन्तन का भाव, मन को आत्मा में स्थिर करने का भाव और सभी प्रकार से मन को शुद्ध करना, मन सम्बन्धी तप कहा जाता है।- **भीष्म पर्व, गीता 17/16**

छप्पन साल की रेनेट बेलो इस क्रिसमस पर अपने पड़ोसी के कुत्तों की देखभाल करते हुए अकेले ही छुट्टियां बिताएंगी। वह मानती हैं कि जिंदगी में उन्हें संतुलन खोजने की जरूरत है। सर्जन और टुगेदर- द हीलिंग पावर ऑफ ह्यूमन कनेक्शन इन ए समटाइम्स लोनली वर्ल्ड के लेखक डॉ विवेक एच मूर्ति कहते हैं कि अकेलापन शर्मिंदगी की वजह बन सकता है और इससे आत्मसम्मान की भावना में भी कमी आ सकती है। हालांकि वह यह भी मानते हैं कि अकेलापन एक मौलिक मानवीय अनुभव है। उनके अनुसार जैसे हम भूख व प्यास का अनुभव करते हैं, ठीक वैसे ही सभी कभी-कभी अकेलेपन का भी अनुभव करते हैं। समाज में जो संबंध हम बनाते हैं, वे जब टूटते हैं, तो पूरे शरीर पर असर डालते हैं।

एक सर्वे के मुताबिक आज आधे से ज्यादा अमेरिकी अकेलेपन के शिकार हैं। 400 फ्रैंड्स एंड नो वन टु कॉल के लेखक 69 साल के वाल वॉकर अपना एक सामाजिक नेटवर्क तैयार करने के लिए काफी मेहनत की। लेकिन उन्हें अकेलेपन का एहसास तब हुआ, जब जरूरत होने पर भी उनका साथ देने के लिए कोई भी मौजूद नहीं था। संबंधों से जो आपकी अपेक्षा है, वह अगर पूरी न हो रही हो, तो भी आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं। डॉ मूर्ति के अनुसार संबंधों को बनाए रखने के लिए आपको लगातार कोशिश करते रहनी होती है और ईमानदारी भी बरतनी होती है। आज के युवा मोबाइल की छोटी-सी स्क्रीन पर जिसे कनेक्शन मानते हैं, उसका लोगों से कनेक्ट होने से कोई लेना-देना नहीं होता। महज सोशल मीडिया पर लाइक करने या मैसेज भेज देने भर से आप लोगों से कनेक्ट नहीं हो जाते। इसके बजाय आपको लोगों से मिलने की कोशिश करनी चाहिए। इससे संबंधों के बंद द्वार फिर से खुल सकते हैं। शिकागो यूनिवर्सिटी के शोध वैज्ञानिक लुइस हॉकले के अनुसार अगर आप किताबी कीड़े हैं, तो आप यह न सोचें लोग आपके दोस्त बनना पसंद करेंगे। साझा मूल्य व साझा हित ही दोस्ती की नींव रखते हैं। रिश्ते बनने में समय लगता है, शुरुआत में ही ज्यादा अपेक्षाएं न रखें। सामाजिक नेटवर्क को व्यापक बनाने का एक तरीका स्वयंसेवा भी है।ब्रिटेन में दस हजार स्वयंसेवकों पर किए गए एक अध्ययन में करीब दो-तिहाई स्वयंसेवक इस बात पर सहमत थे कि स्वयंसेवा से उन्हें कम अलग-थलग महसूस होता है। ज्यादा से ज्यादा लोगों से बात करने की कोशिश करने से आपको खुलने का मौका मिलेगा। लोगो को तौलते रहने के बजाय, उन्हें समझने की कोशिश आपको ज्यादा लोकप्रिय बनाएगी। डॉ हॉकले के अनुसार, अकेलेपन से ग्रस्त लोगों का खुद पर जितना वह सोचते हैं, उससे ज्यादा नियंत्रण होता है।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

राज्य स्तरीय खो-खो चैंपियनशिप में भाग लेने नर्मदापुरम जिले की टीम रवाना

खेल प्रेमियों ने दी खिलाडियों को शुभकामनायें

सिवनी मालवा,नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

राज्य स्तरीय खो खो चैंपियनशिप जबलपुर में दिनांक 23 से 25 तारीख तक आयोजित की जा रही है. प्रतियोगिता में भाग लेने वाली नर्मदापुरम जिले की टीम दानापुर एक्स प्रेस से रवाना हुई. जिला खो खो संघ के अध्यक्ष बसारत खान ने मप्र खो- खो संघ के प्रदेश सचिव संजय यादव का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि जबलपुर में आयोजित खो -खो चैंपियनशिप में नर्मदपुरम जिले के खिला?ियों की टीम आज दानापुर एक्स प्रेस से रवाना हुई टीम में नमन, शिवांशु, रितेश ,आकांक्षु, नमन, आरोह, पृथ्वी ,सक्षम का चयन हुआ है. टीम का कोच श्याम मरापे सिवनी मालवा को बनाया गया है प्रतियोगिता से चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए मध्य प्रदेश की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे. प्रांतीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों की सफलता की कामना के लिए अरविंद शर्मा उपाध्यक्ष अश्वनी मालवी हरदुआ कोषाध्यक्ष, गजेंद्र यादव बाबई,

कलीराम अहिरवार, राजकुमार पाली, राजेश स्वामी, भीमराव राजेश पटेल उमेश , संतोष यादव, अर्पण दुबे, मुकेश गोस्वामी, संतोष सुरमा, बख्तावर खान, वंश मालवी ने शुभकामनाएं दी।

तीन खिलाड़ियों का 33 वीं राष्ट्रीय थ्रो बॉल जूनियर चैंपियनशिप में चयन

नर्मदापुरम. 33वी राष्ट्रीय थ्रोबाल चैंपियनशिप 27 से 30 दिसंबर को कोयंबटूर तमिलनाडु में आयोजित हो रही है. इस नेशनल टूर्नामेंट में नर्मदा कालेज की दो छात्राएं सुरभि नागर, सिफ़ा खान एवं एक छात्र आदित्य डांगोलिया का चयन हुआ है. इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए जीत की भावना के साथ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा ये बड़ी उपलब्धि होगी कि पढ़ाई के साथ खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करके करियर बनाने का अवसर मिल रहा है।इस मौके पर नर्मदापुरम थ्रो बॉल संघ के अध्यक्ष रोहित गौर डॉ.संजय चौधरी , डॉ.महेश मानकर

और कोच स्नेहा दुबे सहित महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों ने उत्साहवर्धन किया और बधाईयां दी । ये खिलाड़ी 25 दिसंबर को कोयंबटूर तमिलनाडु के लिए भोपाल से प्रस्थान करेंगे.

विधायक डॉ. शर्मा ने हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए

हितग्राहियों को लाभान्वित करने का सुलभ माध्यम बनी विकसित भारत संकल्प यात्रा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के साथ ही जिलेभर में विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। यात्रा के दौरान जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों ने ग्राम पंचायतों में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। इस दौरान हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त किए जा रहे है और अनेक विभागों द्वारा लगाए जा रहे शिविरों में हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे है। जनपद नर्मदापुरम के ग्राम निमसाड़ियां में संकल्प यात्रा का ग्रामीणों द्वारा उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। विधायक नर्मदापुरम डॉ सीरासरन शर्मा के मुख्य आतिथ्य में हितलाभ वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विधायक डॉ शर्मा द्वारा विभिन्न योजनाओं में पात्र हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर जनपद जनपद सीईओ हेमंत सुत्रकार सहित अन्य जनप्रतिनिधि , अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण

उपस्थित रहे।शनिवार को नर्मदापुरम जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत जासलपुर और निमसाडिया में, सिवनीमालवा अंतर्गत ग्राम पंचायत मुड़ियाखेड़ी और बनाडा, जनपद पिपरिया अंतर्गत ग्राम पंचायत सहलवाड़ा और सिवनी, जनपद केसला अंतर्गत ग्राम पंचायत कोहदा और सहेली, जनपद बनखेड़ी अंतर्गत ग्राम पंचायत परसवाडाढाढिया और समनापुर, जनपद माखननगर अंतर्गत ग्राम पंचायत गुढ़ला और मांगरोल में तथा जनपद सोहागपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत गुजेरखेड़ी एवं भोखेडीकला में संकल्प यात्रा संकल्प यात्रा पहुंची जहां आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना , इत्यादि विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों ने अपनी सफलता की कहानी भी बयां की। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने विकसित भारत के संकल्प की शपथ ली।

रविवार को नर्मदापुरम जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत पांजराकला और मेहराघाट में, सिवनीमालवा अंतर्गत ग्राम पंचायत कजली और बाबरी,जनपद पिपरिया अंतर्गत ग्राम पंचायत सांडियां और माथनी, जनपद केसला अंतर्गत ग्राम पंचायत घोघरारैयत और झुंकर, जनपद बनखेड़ी अंतर्गत ग्राम पंचायत उमरधा और मेहरगवां,जनपद माखननगर अंतर्गत ग्राम पंचायत सांगाखेड़ाकला और क?या में संकल्प यात्रा पहुंचेगी।

अयोध्या से आया पूजित अक्षत कलश बाराखड और अमलाडा पहुंचा

सिवनी मालवा,दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा ग्राम बराखड कलां में अयोध्या से आए हुए पूजित अक्षत कलश कि भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें ग्राम के सभी युवा, नारी शक्ति, बड़े बुजुर्ग बड़ी संख्या में यात्रा में शामिल हुए। वही शिवपुर प्रखंड के अमलाडा खुर्द कला मंडल में विश्व हिंदू परिषद द्वारा कलश यात्रा का भव्य आयोजन माता बहनों द्वारा पूजा अर्चना कर यात्रा मे सहयोग प्रदान किया श्री राम के भक्तों द्वारा कलश यात्रा का आयोजन किया स्थानीय हनुमान मंदिर में स्थापना कर हनुमान जी की आरती श्री राम स्तुति कर प्रसादी वितरण कार्यक्रम कर यात्रा का समापन हुआ। कार्यक्रम में शिवपुर प्रखंड के संयोजक हरिओम पाल विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ओमप्रकाश धनगर महेश पाल सूरजमल कहार गणेश कीर मुकेश पाल राहुल तवर जितेंद्र कीर वालाराम कीर अंकित पाल जितेन पाल पवन पाल अक्षय तवर बलवान तवर प्रदीप धनगर निलेश धनगर देवेंद्र प्रजापति अनुराग पाल नंदलाल मासाव महेश काका पतिराम कहार देवेंद्र प्रजापति नंदलाल दीपचंद् पाल डालचंद पाल धनराज पाल सहीत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

खाद्य पदार्थ विक्रेताओं के लाइसेंस बनाने के लिए बनखेड़ी में लगाया गया विशेष कैंप

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर नीरज सिंह के निर्देशानुसार, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश दियावार ने शनिवार को नगरपालिका बनखेड़ी मे मांस, मछली, अंडा एवं अन्य खाद्य पदार्थ विक्रेताओं के खाद्य लाइसेंस हेतु विशेष कैंप का आयोजन किया गया , जिसमें नगरपालिका द्वारा 58 अनापत्ति प्रमाण पत्र मांस, मछली अंडा विक्रेताओं को जारी कर लाइसेंस आवेदन करवाए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश दियावार द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के प्रावधानों के अंतर्गत खाद्य लाइसेंस एवम रजिस्ट्रेशन हेतु आवश्यक जानकारी दी गई। साथ ही ऑनलाइन आवेदनों की स्करूटनी कर तुरंत लाइसेंस जारी किए जा

रहे है इसके अतिरिक्त साफ सफाई के लिए निर्देश दिए गए।

उन्होंने बताया कि कैंप के बाद भी लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया चालू है सभी खाद्य व्यवसायीयो से अपेक्षा है की वे एमपी ऑनलाइन से आवेदन कर अपने खाद्य लाइसेंस/रजिस्ट्रेशन बनवा सकते है। केवल मांस, मछली व अंडा व्यवसायियों को नागरपालिका अथवा ग्राम पंचायत की अनापत्ति अपलोड करना आवश्यक होगा।

पुलिस ने 10 लोगों को जुआ खेलते हुए पकड़ा, 30 हजार रुपए किए जप्त

सिवनी मालवा । शिवपुर द्वारा मुखबिर को सुचना मिली थी की ग्राम अमलाडा कला मे कुछ लोग नदी किनारे जुआ खेल रहे है सुचना पर थाना प्रभारी विवेक यादव सहित स्टाफ के द्वारा दस लोगो जुआ खेलते हुए पकड़ा वहीं तीन लोग भाग गए घेराबंदी करके मौ? की कार्यवाही मे अभियुक्त गण गौरीशंकर पिता देवकरण भिलाला, ठाकुर लाल पिता अनोखीलाल, राजू पिता नर्मदाप्रसाद जाति कहार, सारीफ खान पिता युसुफ खान, मुस्ताक खुरैशी पिता वसीर खुरैशी, आकाश पिता गणेश कहार नर्मदापुरम , साबिर पिता गुलाब शाह नि. बिच्छापुर , रोहित पिता राजू प्रजापति जैन मंदिर के पास हरदा, सोहेल पिता शहीद मंसूरी हरदा, रामशंकर पिता जगदीश प्रसाद पचोरी हरदा जिनके पास से नगदी 30 हजार रूपये एवं 52 ताश के पत्ते एवं एक कम्बल फड़ पर बिछी हुई जप्त की गई पकड़े गए आरोपीगण से भागे हुए अभियुक्त गणो के बारे मे पूछने पर फरार अभियुक्त राजकुमार सोलंकी नि. उन्द्राकच्छ थाना टिमरनी एवं करतार राजपूत छिपानेर रोड हरदा एवं सतीश यादव नि.

वार्ड नं. 15 टिमरनी द्वारा जुआ संचालित करना बताया एवं मौके से भागना बताया भागे हुए आरोपियों कि तलाश की जा रही है उन्हें भी जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

मेट्रो एंकर

लड़की भी उतना ही हक रखती है जिस तरह समाज में एक लड़के का हक होता है

नाट्य महोत्सव के पहले दिन गुड़िया का जीवन एवं मैं भी मां बन गया, दो नाटकों का हुआ मंचन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा डोलरिया नाटक महोत्सव का कार्यक्रम किया जा रहा है जिसमे कर्मवीर जन शिक्षण एवं संस्कृति समिति द्वारा आयोजित नाट्य महोत्सव के प्रथम दिवस दो नाटकों का मंचन हुआ। कार्यक्रम के निदेशक कर्मवीर सिंह राजपूत ने बतया कि मुख्य अतिथि प्रेम शंकर वर्मा विधायक सिवनी मालवा शिवा राजपूत जिला जनपद पंचायत सदस्य,अनिल बुंदेला जिला महामंत्री,चंदन सिंह परिहार सहित डोलिया तहसील के गंदमान नागरिक बच्चे बुजुर्ग और महिलाओं की उपस्थिति में

एकल अभिनय में गुड़िया का जीवन पहली प्रस्तुति कुलदीप रघुवंशी द्वारा दी गई एवं पूर्व रंग के पश्चात का नाटक -मैं भी मां बन गया का मंचन हुआ जिसकी सभी दर्शकों ने सराहना की ।

डोलरिया नाट्य महोत्सव का दूसरा वर्ष है

। दर्शकों द्वारा सरहाना करते हुए इस इस तरह के मंचन निरंतर डोलरिया की भूमि पर होते रहे जिस गांव एवं कस्बों में भी लोग रंगमंच को जान सकें। पूर्व रंग में हुई प्रस्तुति में गुड़िया का जीवन यह एक लघु नाटक (एकल अभिनय) है। इस नाटक में राजू एक पिता के रूप में माँ का प्यार देने से लेकर उसको एक बड़ा ऑफिसर बनाने का सपना देखता है,जिसके लिये वह रात - दिन मेहनत करता है और आखिर में एक अमानवीय घटना उसके सपने को उजाड़ देती है और उसका सपना अधूरा रह जाता है । इसके पश्चयात मैं भी मां बन गया नाटक बताया गया कि समाज में हमें लड़का एवं लड़की को अलग-अलग नहीं आंकना चाहिए लड़की भी उतना ही हक रखती है जिस तरह समाज में एक लड़के का हक होता है । एकल प्रस्तुति कुलदीप रघुवंशी (कर्मवीर थिएटर) द्वारा की गई जिसकी सभी ने बहुत सराहना की एवं दूसरी प्रस्तुती में कलाकार घनश्याम संतोष पंडित रुक्मणि आरती विश्वकर्मा दद्दा सार्थक त्रिपाठी चाची समृद्धि त्रिपाठी दाई अम्मनी शिवकुमार छुन्नु विभांशु खरे मुन्नू हिमांशु प्रजापति यमदूत पियूष सैनी प्रकाश संचालन मुकेश जिज्ञासी संगीत रोहित पटेल प्रॉप्स आधार नामदेव मंच निर्माण आदित्य , अमन, दया, ओशीन, इंद्रजीत मंच व्यवस्थापक कमलेश दुबे बुंदेली रूपांतरण आरती विश्वकर्मा लेखन एवं निर्देशक सुनील राज द्वारा प्रस्तुत किया गया।

अतिक्रमणकारियों पर चला प्रशासन का बुलडोजर, कच्चे पक्के अतिक्रमण भी तोड़े

भीड़ को भगाने के लिए पुलिस को करना पड़ा हल्का लाठी चार्ज

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सीएम बदलने तथा विधायक के निर्देशों के बाद स्थानीय प्रशासन भी एक्शन मूड में दिखाई दे रहा है। कच्चे पक्के स्थाई अस्थाई अतिक्रमण को बुलडोजर चलाकर अतिक्रमणकारियों कड़ी कार्रवाई की जा रही है। शहर को अतिक्रमित करने के लिए पुलिस और प्रशासन के द्वारा संयुक्त रूप से अभियान चला कर अतिक्रमण जेसीबी चलाई जा रही है। शनिवार को भी एसडीएम हर्षल चौधरी ,एसडीओपी उमेश कुमार त्रिपाठी ,नगर पालिका सीएमओ और राम प्रकाश साहू , अतिक्रमण विरोधी दल के प्रभारी संजीव यादव, थाना प्रभारी साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल और नगर पालिका प्रशासन का अमला मौजूद एसडीएम, एसडीपी पहुंचे सबसे पहले सब्जी मंडी पर पक्के अतिक्रमण पर था जेसीबी चला तोड़ने की कार्रवाई की इसके बाद बासौदा नाके पर अतिक्रमण धारि पर प्रशासन ने जेसीबी चलाकर अतिक्रमण को तोड़ने का काम किया इस दौरान प्रशासन के अधिकारी सख्त मूड में दिखाई दिए विरोध करने वालों को विरोध को कुचलते हुए जेसीबी से अतिक्रमण को जमीजोत करने का काम भी किया। वही नाके अतिक्रमण हटाने के लिए कुछ अतिक्रमणकारी विरोध करने के लिए पहुंचे पर प्रशासन ने अपनी सख्ती दिखाते हुए यहां पर रखी गुमठियों , टपरों को हटा दिया कुछ अतिक्रमण धारी अपना सामान ले जाते हुए नजर आए कुछ स्वयं अपना सामान उठा कर लेगा जो लेकर नहीं गया उसको जप्त करने का काम भी किया इस दौरान बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई थी भीड़ को भगाने के पुलिस को लाठी भी चलानी पड़ी कुछ लोगों पर लाठी भी चलाई गई । सबसे पहले सब्जी मंडी पर प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे यहां पर कुछ लोगों ने पक्के अतिक्रमण कर रखे थे उनको जेसीबी की मदद से तोड़ने का काम किया पिछले कई दिनों से अतिक्रमण काारियों पर प्रशासन का बुलडोजर लगातार चल रहा है। इससे शहर की सड़क भी चौड़ी दिखाई देने लगी है यातायात भी बाधित नहीं हो रहा है नहीं तो पहले अतिक्रमण के कारण जाम की स्थिति बनती थी।

इनका कहना है

अतिक्रमण को पूरी तरह से हटाने के लिए अभियान प्रारंभ किया गया है किसी का भी अतिक्रमण नहीं छोड़ा जाएगा अतिक्रमण होने के कारण यातायात भी बाधित होता है।
– हर्षल चौधरी, एसडीएम सिरोंज

विधायक ने पुराने जल स्तोत्र सहित काजी घाट, रावजी की हवेली का लिया जायजा, बोले-

काम न करने वाले ठेकेदारों पर करें कार्रवाई स्वीकृत निर्माण कार्यों में भी लाई जाए तेजी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो। शनिवार को विधायक उमाकांत शर्मा ने शहर के विकास एवं जल समस्या के समाधान को लेकर शहर के प्राचीन जल स्रोतों सहित पुराने स्थलों का जायज लेकर समस्त व्यवस्थाएं करने के निर्देश प्रशासन अधिकारियों को देते हुए कहा समय पर काम नहीं करने वाले ठेकेदारों पर कड़ी कार्रवाई करके निर्माण कार्यों को शीघ्र करवाने के निर्देश भी दिए। विधायक निधि सहित राज्य शासन से पूर्व में स्वीकृत कराई गई निर्माण राशि के कार्यो का जायजा लेने पहुंचे। निर्माण एजेंसियों की लेटलतीफी नाराजगी जहर करते हुए जिन ठेकेदारों की लापरवाही से स्वीकृत होने के बाद भी महीने गुजर जाने के उपरांत भी बाद भी निर्माण कार्य प्रारम्भ न होने अथवा समय सीमा में निर्माण पूर्ण न होने पर खासी नाराजगी जताई।

जुगल किशोर मंदिर को करें संरक्षित

विधायक शर्मा रावजी पथ स्थित सीनियर छात्रावास पहुंचे यहां उन्होंने छात्रावास की वार्डन से छात्रवास में रह रही बालिकाओं की जानकारी लेकर हो रही परेशानियों के बारे में जानकारी ली साथ ही उन्होंने इसी प्रांगण में माहेश्वरी समाज के स्थित प्राचीन जुगल किशोर मंदिर के इतिहास के बारे में बताते हुए नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू को मंदिर की साफसफाई एवं संरक्षण करने की बात कही।

विधायक शर्मा निर्माण कार्यो के लेकर एक्शन मूड में नजर आए

भोपाल से वह सीधे काजीघाट स्थित मुक्तिधाम पहुँचे। यहाँ उन्होने स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों को पहले से ही बुला रखा था। उन्होंने काजी घाट मुक्तिधाम पर अंतस्थि के लिए आने वाले नागरिकों को धूप पानी से बचाव की सुविधा के लिए एक समुदायिक भवन प्रदान किया था स्वीकृत होने के अनेक महीने गुजर जाने के वाद भी उक्त निर्माण कार्य प्रारंभ न होने के लिए नपा प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई साथ ही ठेकेदार के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा विधायक शर्मा ने काजीघाट के समीप सरकारी जमीन जो खेल मैदान के काम मे आती है उस पर हो रहे अतिक्रमण को लेकर भी नाराजगी जताई ओर तत्काल प्रभाव से अवैध कब्जाधारीयो से इस जमीन को मुक्त करवाने बात कहते हुए कहा कि यह मैदान वर्षों से नगर के बच्चो के लिए खेल मैदान के रूप में उपयोग में आता है कब्जाधारी यहाँ अतिक्रमण कर रहे है प्रशासन को दिकहि ही नही देता। उन्होंने उचित सीमांकन करवाकर सरकारी भूमि को अतिक्रम से मुक्त करवाने की बात कही। इसके अलावा विधायक शर्मा ने इसी प्रांगण में स्थित प्राचीन कुएं चीरा वाले ओर कंजी वाले कुँओं को भी संरक्षित कर पेयजल की दृष्टि से आने वाले ग्रीष्मकालीन समय मे उपयोगी बनाकर सप्लाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम हर्षल चौधरी, एसडीओपी उमेश तिवारी,नपा उपाध्यक्ष मनोज साईंनाथ,सीएमओ रामप्रकाश साहू,सहित प्रशासनिक अमला मौजूद था।

यह धरती हिंदुस्तान की...: विधायक शर्मा अधिकारियों को लेकर रावजी की हवेली भी पहुंचे। यहां वर्तमान में कन्या उच्चतर विधालय संचालित होता है। विद्यालय की छुट्टी के समय विधायक उमाकांत शर्मा को अपने बीच पाकर छात्राएं खुश नजर आई। इस दौरान विधायक शर्मा भी उनके साथ बच्चें की भूमिका में नजर आए । दोस्ताना अंदाज में बेटियों से बातचीत करते हुए व्यवस्थाओं ओर पढ़ाई के बारे में जानकारी ली तथा उनके साथ देशभक्ति गीत भी गया। इसके उपरांत उन्होंने यहां के सेंगर, होल्कर, मराठा साम्राज्य के इतिहास और यहां की पुरातत्वता से अधिकारियों को अवगत कराते हुए इसके संरक्षण करने की उचित योजना बनाने की बात कही। उन्होंने पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मीकांत जी शर्मा के द्वारा भी पूर्व में इस ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करने में दिए योगदान के बारे में बताया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य मनोज शर्मा ने शिक्षकों के साथ विधायक उमाकांत शर्मा का पुष्पमाला से स्वागत भी किया।

खबर के बाद नपा प्रशासन ने गड्ढे पर बनाया पक्का चेंबर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

मंडी बाईपास रोड पर खुला हुआ गड्ढा दुर्घटनाओं को दावत दे रहा था आए दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही थी जिसका समाचार हमारे संवाददाता द्वारा जनहित में प्रकाशित किया था खबर के बाद एसडीएम हर्षल चौधरी और नगर पालिका सीएमओ राम प्रकाश साहू ने संज्ञान में लेते हुए उक्त गड्ढे पर पक्का चौंबर बनवा दिया है । जिससे कि अब यहां पर से आने जाने वाले वाहनों को इस गड्ढे के कारण दुर्घटनाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा गड्ढा होने के कारण कई बार दो पहिया से लेकर चार पहिया वाहन दुर्घटना का शिकार हो चुके थे। जिसकी शिकायतें भी लगातार की जा रही थी पर समस्या का समाधान नहीं किया जाता पर जैसे ही प्रदेश टुडे ने इस मामले को उठाकर एसडीएम के संज्ञान में इस मामले को लाने का काम किया तो उन्होंने तत्काल जनहित में इस मामले को गंभीरता से लेते हुए यहां पर चेंबर तैयार करवा दिया है।

जितेंद्र सिंह को मप्र कांग्रेस कमेटी का प्रदेश प्रभारी नियुक्ति पर मनाई खुशियां

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह को मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी का प्रदेश प्रभारी नियुक्त किए जाने पर सिरोंज के सिनेमा चौराहे पर मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के डेलिगेट सचिव व केश शिल्पी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विनोद सेन के नेतृत्व में आतिशबाजी कर व सिरोंज की प्रसिद्ध मिठाई बालूशाही बांटकर खुशियां मनाई गई इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसर खांन, अंसार खांन, ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुरेश यादव, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष इरशाद गौरी, डॉ.अब्दुल सुब्हान गौरी, सादिक कुरैशी, मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के सचिव सैफूगौरी, विधानसभा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अतीक मंसूरी, ब्लाक कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष जुनेद खान, सलीम गौरी पूर्व पार्षद आदि कांग्रेसजन उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर | एक बार फिर तेज ठंड का दौर शरू होगा

ठंड का असर: कोहरे की आगोश में शहर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

आज रविवार की सुबह समूचा शहर कोहरे की आगोश में दिखाई दिया तेज ठंड के कारण अधिकांश लोगों ने घरों में रहना ही उचित समझा छुट्टी का दिन होने के कारण सड़कें सुनसान दिखाई दी वहीं वाहन चालकों को भी समस्या का सामना करना पड़ा तेज कोहरे की वजह से वाहनों की गति पर भी ब्रेक लग गया , इतना ही नहीं सुबह के समय संचालित यात्री बसों में भी इक्का दुक्का यात्री ही बैठे देखे,जो लोग बाजारों में आ गए थे वह अलाओ में अपने आप को सेंकते दिखाई दे रहे थे। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में आज से तीन दिनों तक अफगानिस्तान और ईरान के पास एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय हुआ है, जिसके कारण अभी दिन और रात के तापमान में बहुत ज्यादा गिरावट देखने को नहीं मिलेगा. लेकिन अभी प्रदेश में बारिश होने की सम्भवना नहीं है, जैसे ही हवाओं के रुख में परिवर्तन आएगा, प्रदेश में फिर से एक बार तेज ठंड का दौर शरू होगा. प्रदेश में अभी रात के तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस की तेजी आने की सम्भवना है, वहीं दिन का अधितम तापमान सामान्य से दो डिग्री तक बढ़ने की संभावना है और जैसे ही यह वेदर सिस्टम कमजोर पड़ेगा और उत्तरी हवाएं फिर से तेजी पकड़ेंगी. प्रदेश में कड़ाके की ठंड शरू हो जाएगी, जिसके चलते जनवरी के पहले सप्ताह तक मौसम में ठंड बरकरार रहेगी।

आईपीएल 2024: धोनी हुए फिट, जल्द नेट्स पर शुरू करेंगे अभ्यास

मुंबई, एजेंसी

सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथन ने महेंद्र सिंह धोनी के फिटनेस को लेकर अपडेट दी है। धोनी ने चेन्नई में जूनियर सुपर किंग्स इवेंट के लॉन्च पर कहा कि आईपीएल 2024 से पहले धोनी पूरी तरह फिट हो जाएंगे। धोनी रिहैब कर रहे हैं। 10 दिनों में वह नेट्स पर अभ्यास शुरू करेंगे। दरअसल धोनी को आईपीएल 2023 के शुरुआत में ही घुटने पर चोट लग गई थी। वह पूरे आईपीएल के दौरान पट्टी बांधकर मैदान पर खेलते नजर आए। धोनी ने अपनी कप्तानी में पांचवीं बार सीएसके को आईपीएल का खिताब दिलाया। फाइनल में गुजरात टाइटंस को हराया था। आईपीएल के तुरंत बाद धोनी ने मुंबई के कोकिला बेन अस्पताल में घुटने का ऑपरेशन करवाया था।

धोनी आईपीएल के रिटायरमेंट की घोषणा खुद ही करेंगे

काशी विश्वनाथन ने कहा कि धोनी खुद ही आईपीएल से रिटायरमेंट लेने की घोषणा करेंगे। वह रिटायरमेंट को लेकर किसी को कुछ भी नहीं बताते हैं। जब उन्हें लेना होगा, वह खुद ही बताएंगे। पिछले सीजन के शुरुआती मैचों में वह जहां भी गए, स्टेडियम में लोग उनको सपोर्ट करने के लिए पीली जर्सी में आए। वह कई बार संकेत दिए कि उनका आखिरी आईपीएल हो सकता है। चेन्नई को आईपीएल खिताब दिलाने के बाद कहा था कि आईपीएल 2024 शुरू होने में 9 महीने से ज्यादा समय है। वह इसका फैसला बाद में लेंगे। चेन्नई ने धोनी को आईपीएल 2024 के लिए रिटेन किया है।

मार्च में चेन्नई टीम का कैंप

काशी ने कहा कि इस टीम की तैयारी अगले साल मार्च के पहले सप्ताह में चेन्नई में शुरू हो जाएगी और हम मार्च के पहले सप्ताह में एक कैंप आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। आईपीएल 2024 की शुरुआत 22 मार्च तक हो सकती है और इसलिए हमारा पहला कैंप पहले सप्ताह में चेन्नई में लगेगा। काशी से पूछा गया कि क्या अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को देखते हुए आईपीएल 2024 का आयोजन किसी अन्य देश में होगा तो उन्होंने इसका जवाब देते हुए कहा कि इसकी संभावना नहीं है।

सीरीज अहम, इंडिया अब तक साउथ अफ्रीका में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीता

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 2 टेस्ट की सीरीज 26 से

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 2 टेस्ट की सीरीज 26 दिसंबर से शुरू होगी। भारत के लिए यह सीरीज बेहद अहम है, क्योंकि टीम इंडिया अब तक साउथ अफ्रीका में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी है। भारत ने यहां 8 सीरीज खेलीं, जिनमें एक ड्रॉ रही, जबकि 7 में हार मिली। पिछली बार 2021 में भारतीय टीम 1-0 से बढ़त लेने के बाद भी 3 टेस्ट की सीरीज हार गई थी, लेकिन इस बार टीम इंडिया के पास सीरीज जीतने का मौका है, क्योंकि विराट कोहली, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह जैसे अनुभवी प्लेयर्स के साथ मोहम्मद सिराज और शुभमन गिल जैसे युवा प्लेयर साउथ अफ्रीका में टीम को टेस्ट सीरीज में जीत दिलाने की काबिलियत रखते हैं।

मोहम्मद सिराज- वॉबल सीम के किंग, अफ्रीका में चमक सकते हैं

तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अपनी वॉबल सीम और उछाल भरी गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। वे अपनी स्पीड और स्विंग से किसी भी बैटर को परेशान कर देते हैं। ऐसे में साउथ अफ्रीका की बाउंसी पिचों पर सिराज प्रभावी प्रदर्शन कर सकते हैं। वे 2 मैचों में 3 विकेट ही हासिल कर सके हैं, लेकिन उनके इस सीरीज में चमकने की उम्मीद है। स्वह्व कंट्रीज में सिराज 11 मैचों में 39 विकेट चटका चुके हैं। इसमें एक बार 5 विकेट भी शामिल है।

जसप्रीत बुमराह- अफ्रीका में 26 विकेट लिए, दूसरे देशों में 101

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी परफेक्ट यॉर्कर के लिए जाने जाते हैं। वे अपनी स्पीड और स्विंग के दम पर टीम को अहम मौकों पर सफलता दिलाते हैं। अफ्रीका की फास्ट एंड बाउंसी पिचों पर बुमराह टीम इंडिया का ट्रंप कार्ड साबित हो सकते हैं। साउथ अफ्रीका में वे 6 मैचों में 26 विकेट हासिल कर चुके हैं। इनमें दो बार 5 विकेट शामिल हैं। कंट्रीज में तो बुमराह के नाम 101 विकेट हैं। वे 5 बार 5 विकेट हासिल कर चुके हैं।

केएल राहुल- साउथ अफ्रीका में शतक लगाने वाले पहले

भारतीय विकेटकीपर, 250+ रन बनाए विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल पर लोअर मिडिल ऑर्डर की जिम्मेदारी है। वे नंबर-7 पर बैटिंग करते हैं। टॉप या मिडिल ऑर्डर के फ्लॉप होने की स्थिति में राहुल टीम को फाइटिंग टोटल दिला देते हैं। राहुल के नाम अफ्रीकी पिचों पर 256 रन हैं। वे 5 मैचों में एक शतक और एक अर्धशतक जमा चुके हैं। राहुल ने स्वह्व कंट्रीज में 19 टेस्ट खेले हैं। इनमें उनके नाम 4 शतक और 2 अर्धशतक सहित 1057 रन हैं।

विराट कोहली- 51.35 के औसत से रन बनाए

कोहली के पास दबाव में बल्लेबाजी करने की क्षमता है। वे खुद को पिच के अनुसार ढाल लेते हैं। उन्हें अफ्रीकी पिचों में खेलने का अनुभव है। साथ ही रन चेजिंग में भी महारथ हासिल है। उनके पास एक बॉल को खेलने के लिए तीन से चार शॉट होते हैं। ऐसे में विराट अफ्रीका की उछाल भरी पिचों पर भारतीय बैटिंग का सबसे अहम हिस्सा होंगे। कोहली ने साउथ अफ्रीका में खेले 7 मैचों में 51.35 की औसत से रन बनाए हैं। उनके नाम 2 शतक और 3 अर्धशतक समेत 719 रन हैं। वे अफ्रीका में भारत के दूसरे टॉप स्कोरर हैं। उनसे ज्यादा सचिन तेंदुलकर ने 1161 रन बनाए हैं। कोहली के नाम स्वह्व (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) कंट्रीज में 11 शतक और 13 अर्धशतक हैं। उन्होंने 41 मैचों में 43.27 के एवरेज से 3419 रन बनाए हैं।

रवींद्र जडेजा- बैट-बॉल के साथ फील्डिंग में भी कमाल; 16 कैच पकड़े: लेफ्टी स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा बैट और बॉल के साथ फील्डिंग से भी मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज होने के कारण वे बैटिंग ऑर्डर में वैरायटी लाते हैं और जरूरत पढ़ने पर बड़े शॉट भी खेल सकते हैं। जडेजा ने साउथ अफ्रीका में खेले 3 मैचों में 99 रन बनाए हैं और 6 विकेट हासिल किए हैं। कंट्रीज में जडेजा ने 20 मैचों में 932 रन बनाए और 52 विकेट भी लिए। इतना ही नहीं, जडेजा ने 16 कैच भी पकड़े हैं।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

एक्ट्रेस मीरा चोपड़ा बोली-

इंडस्ट्री में आने पर किसी ने मदद नहीं की, अपनी जगह खुद बनाई

एक्ट्रेस मीरा चोपड़ा का कहना है कि कजिन प्रियंका और परिणीति चोपड़ा ने उनकी कभी मदद नहीं की है। ना ही वो लोग आपस में अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं। इस कारण मीरा परिणीति की शादी में भी नहीं गई थीं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रियंका दिल से अच्छी हैं लेकिन उनके बीच बहनों जैसा प्यार नहीं है। मीरा ने यह भी बताया कि जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था, तब उनके पास सपोर्ट की कमी थी। उन्होंने सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में बताया- शुरुआत से ही हमारे बीच में अधिक लगाव नहीं रहा है। अगर मैं जताऊं कि हम अच्छे दोस्त की तरह हैं तो वो झूठ होगा। जब इंडस्ट्री में एक घर की 3-4 लड़कियां इंडस्ट्री में आती हैं, तो वह एक-दूसरे की मदद करती हैं, मगर मेरे साथ ऐसा नहीं हुआ। मैंने किसी से मदद मांगी नहीं और ना ही किसी ने मेरी मदद की। मैं वो नहीं जो दूसरों से मदद के लिए कहूं।

पूरा परिवार एक घर में रहता था

मीरा ने बचपन के दिनों को भी याद किया। उन्होंने बताया कि वो एक बड़ी ज्वाइंट फैमिली का हिस्सा थीं और सभी एक घर में ही रहते थे। उन्होंने आगे कहा- जब कोई बड़ा हो जाता है, तो बाकी लोग छोटे लगते हैं।

फिल्म 1920 लंदन से मीरा ने बॉलीवुड डेब्यू किया था

मीरा ने 1920 लंदन से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। हाल ही उन्हें संदीप सिंह के डायरेक्शन में बनी फिल्म सफेद में देखा गया है।

प्रियंका की फैमिली के साथ अच्छा बॉन्ड

मीरा ने बताया कि प्रियंका चोपड़ा के परिवार के साथ उनका अच्छा रिश्ता है। वो प्रियंका की शादी में भी गई थीं। मगर वो परिणीति के परिवार से साथ उतना अच्छा बॉन्ड नहीं शेयर करतीं। उनके और परिणीति के परिवार में लंबे समय से बातचीत भी बंद है। इस कारण वो राघव-परिणीति की शादी में शामिल नहीं हुई थीं। इस बारे में वो कहती हैं- मैं अभी भी प्रियंका की फैमिली से क्लोज हूं। मैं चाहती थी कि मधु चाची (प्रियंका चोपड़ा की मां) मेरी फिल्म देखें। वो सभी मेरे लिए कामना करते हैं। प्रियंका नेकदिल इंसान हैं, लेकिन उनकी तरफ से बहन जैसा कोई प्यार नहीं है। मगर, मेरी तरफ से है।

अहान शेट्टी का गर्लफ्रेंड तानिया श्रॉफ संग हुआ ब्रेकअप, टूटा 11 साल पुराना रिश्ता!

बॉलीवुड एक्टर अहान शेट्टी को लेकर खबर है कि उनका गर्लफ्रेंड तानिया श्रॉफ से ब्रेकअप हो गया है. दोनों 11 साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे लेकिन डेढ़ महीने पहले दोनों अलग हो गए. सुनील शेट्टी के बेटे और एक्टर अहान शेट्टी इस समय चर्चा में आ गए हैं. खबरें हैं कि अहान का 11 साल का रिलेशनशिप टूट गया है. खबरों के मुताबिक एक्टर का उनकी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड तानिया श्रॉफ से ब्रेकअप हो गया है. एक रिपोर्ट के मुताबिक, कपल के ब्रेकअप को हुए डेढ़ महीने हो गए हैं. दोनों 11 साल से एक-दूसरे संग रिलेशनशिप में थे. अहान और तानिया बचपन से एक साथ ही पढ़े हैं और फिर एक-दूसरे के प्यार में पड़ गए थे. लेकिन अब कहा जा रहा है कि कपल के रास्ते अलग हो चुके हैं.

इस वजह से हुआ ब्रेकअप?: हालांकि, अभी तक दोनों के ब्रेकअप की कोई वजह सामने नहीं आई है. वहीं, अहान और तानिया की तरफ से भी इस खबर पर कोई रिएक्शन नहीं आया है. लेकिन लंबे समय से दोनों ने एक-दूसरे के साथ कोई पोस्ट शेयर नहीं किया है. वहीं, अहान और तानिया एक-साथ स्पॉट भी नहीं हुए हैं. हालांकि दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को फॉलो किया हुआ है.

जाने तानिया श्रॉफ के बारे में: तानिया श्रॉफ एक फेमस मॉडल हैं और इंडस्ट्रियल जेदेव और रोमिला श्रॉफ की बेटी हैं. वह जाने माने बिजनेसमैन की फैमिली से हैं. वहीं, अहान की बात करें तो, वो एक्टिंग में डेब्यू कर चुके हैं. उन्हें तारा सुतारिया के साथ फिल्म तड़प में देखा गया था. बता दें कि, तानिया श्रॉफ कई बार सुनील शेट्टी के परिवार के साथ नजर जा चुकी हैं. उन्हें तड़प की स्क्रीनिंग के दौरान भी देखा गया था. सुनील शेट्टी भी कई बार तानिया का जिक्र कर चुके हैं. उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह तानिया को अपनी बेटी की तरह मानते हैं।

'मैंने प्यार किया' की भाग्यश्री ने 19 की उम्र में की थी शादी

फिल्म मैंने प्यार किया से भाग्यश्री से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके अपोजिट सलमान खान नजर आए थे। इस फिल्म की शूटिंग के तुरंत बाद ही भाग्यश्री ने हिमालय दसानी से शादी कर ली थी। शादी के बाद जब वो इस फिल्म के पोस्टर शूटिंग के वक्त प्रेग्नेंट थीं। मगर, उन्होंने ये बात सभी से छुपा कर रखी थी। सलमान को भी यह बात नहीं पता थी। इस कारण सलमान उनसे कहते थे- शादी के तुम मोटी हो गई है। इस बात का खुलासा भाग्यश्री ने हालिया इंटरव्यू में किया है। रश्मी उचिल के साथ बातचीत में भाग्यश्री ने सलमान के साथ मैंने प्यार किया के पोस्टर की शूटिंग के बारे में बात की। उन्होंने बताया- जब मशहूर फोटोग्राफर गौतम राजदक्ष्य ने मैंने प्यार किया के पोस्टर के लिए फोटोशूट किया था, तब मैं 5 महीने की प्रेग्नेंट थी। ये बात कोई नहीं जानता था। महज 19 साल की उम्र में भाग्यश्री ने अपने बचपन के दोस्त हिमालय दासानी से शादी की थी। भाग्यश्री हिमालय से तब पहली बार मिली थीं, जब वे स्कूल में प?ाई कर रही थीं। उनके पेरेंट्स ने विरोध किया था, लेकिन वे नहीं मानीं। भाग्यश्री ने सलमान खान और कुछ क्लोज फ्रेंड्स की मौजूदगी में मंदिर में हिमालय से शादी कर ली थी। कई लोगों की राय थी कि करियर के शुरुआती दौर में शादी करना उनके लिए सही नहीं होगा। इसके बावजूद वो अपने फैसले पर टिकी रहीं। भाग्यश्री ने इंटरव्यू के दौरान यह भी बताया कि शादी के बाद उन्होंने बेटी अवंतिका को जन्म दिया था। बेटी के जन्म के बाद उन्होंने कुछ तेलुगु और कन्नड़ की फिल्मों में काम किया था। साउथ में काम करने की खास वजह यह थी कि वहां पर काम का एक फिक्स टाइम होता था। इस दौरान उनकी बेटी भी उनके साथ सेट पर रहती थीं, पर वो भाग्यश्री को बिल्कुल तंग नहीं रहती थीं। पहली ही फिल्म में सलमान से अधिक फीस ली थी।

जब दोस्तों के साथ मन्नत पहुंचे थे सिद्धांत चतुर्वेदी

शाहरुख ने किया इनवाइट, की थी पार्टी

सिद्धांत चतुर्वेदी कुछ समय पहले अपने खास दोस्तों के साथ शाहरुख के घर मन्नत पार्टी करने गए थे। इस पार्टी के लिए शाहरुख ने खुद उन्हें इनवाइट किया था। सभी ने सुबह 5 बजे तक पार्टी की थी। यह खुलासा सिद्धांत ने खुद एक हालिया इंटरव्यू में किया है। सिद्धांत जल्द ही फिल्म खो गए हम कहां में दिखाई देंगे। फिल्म में उनके अपोजिट अनन्या पांडे और आदर्श गौरव को कास्ट किया गया है। सिद्धांत ने बताया कि एक मुलाकात के दौरान शाहरुख ने उन्हें घर पर इनवाइट किया था। तब सिद्धांत ने उनसे कहा था- मेरे सारे दोस्त भी मेरे साथ हैं। इस पर शाहरुख ने कहा- अरे तो हम भी जवान हैं, सभी मेरे घर आ जाओ। इसके बाद वे सभी शाहरुख के घर मन्नत गए और सुबह 5 बजे तक पार्टी की। 21 दिसंबर को इस साल शाहरुख खान की अंतिम फिल्म डंकी रिलीज हुई है। फिल्म ने पहले दिन इंडिया में सिर्फ 30 करोड़ का कलेक्शन किया है। इस तरह से यह 2023 में शाहरुख की सबसे खराब ओपनर गई है। वहीं इस साल रिलीज हुई शाहरुख की फिल्म पठान और जवान ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कलेक्शन किया था। पठान ने दुनियाभर में 1050 करोड़ का कलेक्शन किया था।

मेट्रो एंकर | मौसमी बीमारी लोगों में गंभीर लक्षण दिखा रही

बच्चों को ठंड में केयर की जरूरत होती है, क्योंकि इनमें वायरल भी निमोनिया में बदल जाता है...

नईदिल्ली, एजेंसी

चीन में फैली बच्चों में रहस्यमयी बीमारी को लेकर हर कोई आशंकित है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से भी अलर्ट किया गया है। इसको लेकर स्थिति अभी तक बहुत स्पष्ट नहीं है फिर भी डरने की जगह सावधान रहने की जरूरत है। बच्चों को इस मौसम में विशेष केयर की जरूरत होती है क्योंकि छोटे बच्चों में सामान्य वायरल भी कई बार गंभीर निमोनिया के रूप में बदल जाता है।

चीन में बढ़ रहे मामले: चीन में माइकोप्लाज्मा निमोनिया और इन्फ्लूएंजा फ्लू के केस सामने आ रहे हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि चीन में कोरोना को लेकर अगस्त 2023 तक सख्ती लागू थी। इस कारण सामान्य फ्लू और वायरल को लेकर लोगों में इम्युनिटी विकसित नहीं हुई है। इसलिए यह मौसमी बीमारी भी लोगों में गंभीर लक्षण दिखा रही है।

बच्चों में संभावित लक्षण : नाक बंद होना या बहना शुरुआती लक्षण हैं। बाद में हल्के पीले या हरे रंग का कफ आना। लक्षणों की मॉनिटर करें। गंभीर लगे तो तत्काल डॉक्टर को दिखाएं। निमोनिया भी हो सकता है। शिशु को उल्टी-दस्त के साथ सिर, बदन गले और मांसपेशियों में दर्द की समस्या हो सकती है, लेकिन बच्चे इस समस्या को बता नहीं पाते हैं।

बच्चों को स्लिप सूट पहनाएं- छोटे बच्चे जो कंबल-रजाई नहीं ओढ़ते हैं उन्हें स्लिप सूट पहना कर सुला सकते हैं। ऐसे में उन्हें ठंडक नहीं लगेगी। ऊपर से हल्का कंबल डालें। ऐसे बच्चे को स्लिपिंग बैग में भी सुला सकते हैं। सबसे पहले तो कमरे का तापमान सामान्य करना चाहिए। बच्चों को हल्के गर्म कपड़े पहनाने चाहिए। बच्चों के कमरे का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रखें।

खिड़कियां बंद रखें पर वेंटीलेशन जरूरी है- कमरे की खिड़कियां रात में बंद रखें लेकिन धूप होने पर दिन में जरूर खोल दें ताकि फ्रेश हवा अंदर आ सके। वेंटीलेशन हो। रूम हीटर भी सावधानी के साथ ही इस्तेमाल करें। बच्चों को एक-दो मोटा जैकेट्स या स्वेटर पहनाने की जगह कई लेयर में हल्के और पतले कपड़े पहनाएं। सबसे अंदर में सूती के पूरे बाजू का कपड़ा होना चाहिए ताकि बच्चे को खुजली न हो।

हॉट वाटर बैग भी लगा सकते - बच्चों को बिस्तर पर सुलाने से पहले वहां पर हॉट वाटर बैग या हीटिंग पैड भी रखा जा सकता है। इससे बिस्तर गर्म रहेगा। हाथ-पैरों को कवर करने के लिए दस्ताने और मोजे पहनाएं। सोते समय ध्यान रखें कि बच्चों के सिर को ना ढंकें। उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो सकती है।

बीमारी से परेशान होकर 58 साल के व्यक्ति ने लगाई फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित विजय नगर चांदबड़ में 58 साल के व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि उम्रदराज होने के कारण वह बीमार रहते थे। अनुमान है कि बीमारी से परेशान होकर उन्होंने यह कदम उठाया है।

एएसआई गंजन सिंह ने बताया कि विजय नगर चांदबड़ निवासी जमनाप्रसाद नागेश (58) घर में रहते थे। परिवार में उनकी दो बेटियां और दो बेटे हैं। दोनों बेटियों की वह शादी कर चुके हैं। शनिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे के आसपास उन्होंनें खुद को अंदर वाले कमरे में बंद कर लिया था। बेटे ने पड़ोसियों की मदद से किसी तरह दरवाजा तोड़ा तो पता चला कि जमनाप्रसाद पंखे पर साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा चुके हैं। वह पिता को अस्पताल लेकर पहुंचा था, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

म्यूजिकल ग्रुप ने मचाई धूम

भोपाल। देव फाउंडेशन एवं एंजल म्युजिकल ग्रुप द्वारा पोलिटेक्निक कॉलेज के ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुए रफी और किशोर दा को समर्पित संगीतमयी कार्यक्रम में ग्रुप के ऑर्गनाइजर सिंगर इंजी. आशु ने जब जाने वालों जरा मुड़ के देखो मुझे गाया तो तालियों की गड़गड़ाहट से ऑडिटोरियम गूंज गया!

एम्स से थर्मोसाइकलर मशीन चोरी हुई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से अज्ञात चोर ने थर्मोसाइकलर मशीन चुरा ली। प्रभारी डॉक्टर ने एम्स में अपने स्तर पर पता किया, लेकिन मशीन का कुछ सुराग नहीं लगा तो बागसेवनिया थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मीनाक्षी प्लेनेट, बागमुगलिया निवासी डॉक्टर उज्जवल खुराना पति अलकेश खुराना (43) एम्स में पैथोलॉजी एंड लैब की प्रभारी हैं। उन्होंने शिकायत करते हुए बताया कि 1 अप्रैल 2022 को ग्राउंड फ्लोर पर रूम नंबर 23 में थर्मोसाइकलर (पीसीआर) मशीन रखी थी। गत 15 दिसंबर को वह कमरे में पहुंची तो अंदर रखी मशीन उन्हें नजर नहीं आई।

उन्होंने विभाग के कर्मचारियों से पूछताछ की, लेकिन मशीन के बारे में किसी को भी जानकारी नहीं थी। इसके बाद शनिवार सुबह थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई गई। चोरी गई मशीन की कीमत उन्होंने अभी बताई नहीं है।

सादूभाई उसकी पत्नी और अपनी पत्नी सहित बच्चों के सामने खुद को मारा चाकू

पत्नी ने साथ चलने से किया इंकार तो पति ने खुद के पेट में मार लिया चाकू, अस्पताल में मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मिसरोद थाना क्षेत्र पिपलिया कुंजनगढ़ गांव में एक युवक ने अपनी पत्नी, चचेरे भाई, सादूभाई और उसकी पत्नी समेत अपने बच्चों के सामने खुद को चाकू मार लिया। पेट में चाकू लगने से उसे गंभीर चोट आई थी। आनन-फानन में परिजन उसे आटो से निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां करीब चार घंटे चले इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एएसआई जीपी जोशी ने बताया कि संजय सहरिया पिता हरभजन सहरिया (27) नूरगंज, जिला रायसेन में रहता था और मंडीदीप की एक फैक्ट्री में काम करता?था। उसके परिवार में पत्नी के अलावा 12 साल की बेटी और सात साल समेत चार साल का बेटा है। संजय शराब पीने का आदी था। उसे महज दस हजार रुपए वेतन मिलता था, जिसमें चार पांच हजार रुपए की वह शराब पी जाता था। पत्नी उसे शराब पीने के लिए मना करती थी तो वह पत्नी से विवाद करता था।

गत दिनों भी ऐसा ही कुछ हुआ संजय शराब पीकर घर पहुंचा और पत्नी से विवाद करने लगा। आए दिन विवाद से परेशान होकर संजय की पत्नी तीनों बच्चों को लेकर 17-18 दिसंबर को पिपलिया कुंजनगढ़ में रहने वाले अपनी बहन और बेहनोई के घर आ गई। संजय ने उसे कॉल किया और घर लौटने का कहा?था, लेकिन पत्नी ने शर्त रख दी कि शराब जब तक नहीं छोड़ोंगे मैं नहीं लौटूगी।

चचेरे भाई के साथ पहुंचा पत्नी को लेने

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित पिपलिया कुंजनगढ़ का मामला, पुलिस कर रही जांच

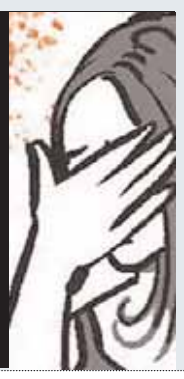

शुक्रवार रात संजय अपने चचेरे भाई जीतमल को लेकर सादूभाई के घर पिपलिया कुंजनगढ़ पहुंचा था। संजय ने पत्नी से बातचीत की और घर चलने का कहा। इस पर पत्नी ने कहा कि वह नहीं जाएगी। अब वह उससे तलाक लेगी। कुछ देर तक संजय, जीतमल और परिवार के बीच बातचीत चलती रही फिर पत्नी पति के साथ जाने के लिए तैयार हो गई, लेकिन उसने कहा था कि तुम अभी जाओ में एक दो दिन में लौट आउगी।

दुबला पतला और कमजोर था संजय

मामले की जांच कर रहे एएसआई जोशी ने बताया कि संजय शराब पीने का आदी था और शारीरिक रूप से कमजोर था। अनुमान है कि उसने पत्नी को डराने के इरादे से खुद के पेट में चाकू मारा था, लेकिन नशे में चाकू गहरा लग गया और उसकी अंदरुनी नस कट गई।

सभी के सामने पेट में मारा चाकू

पत्नी की एक दो दिन में आने की बात सुनकर संजय गुस्से में आ गया और उसने खुद के पेट में चाकू मार लिया। पेट में चाकू लगते ही वह नीचे गिर गया था। परिजन आटो से लेकर निजी अस्पताल पहुंचे, वहां डॉक्टर ने तत्काल उसका इलाज शुरू करते हुए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने संजय के बयान दर्ज करने के प्रयास किए, लेकिन संजय बयान देने की स्थिति में नहीं था। पुलिस ने बताया कि रात करीब 1 बजे के आसपास संजय की मौत हो गई।

भेल गेट नंबर आठ के पास हुआ हादसा

बाइक डिवाइडर में भिड़ी, युवक की मौत, साथी घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित रायसेन रोड गेट नंबर 8 के पास तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई और डिवाइडर में जा घुसी। इस हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौत हो गई, जबकि पीछे बैठा युवक घायल हो गया। घटना कल सुबह साढ़े दस बजे के आसपास की है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार आयुष दांगी पिता फूलसिंह दांगी (19) मूलतः विदिशा का रहने वाला था। इन दिनों वह पुष्पा नगर, ऐशबाग में रह रहा था। आयुष ठेकेदार के अंडर में इलेक्ट्रीशियन का काम कर रहा?था। ठेकेदार के पास नगर निगम के बस स्टाप पर लाइटिंग और सुधार का काम है। आयुष बस स्टाप पर लाइट सुधारने के लिए शनिवार अपने साथी वाहिद के साथ निकला था। आयुष के पास प्लेटिना बाइक थी और वह उसे बेतरतीब तरीके से चला रहा था। पीछे बैठे वाहिद ने उसे करीब साढ़े दस बजे के आसपास आईटीआई पहुंचते ही कहा था कि बाइक आराम से चला। ऐसे लहराते हुए तेज रफ्तार में हादसा हो सकता है, लेकिन आयुष ने उसकी बात नहीं मानी महज तीन मिनट बाद ही आयुष से बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई और डिवाइडर में जा घुसी। इस हादसे में विक्की को मामूली चोट आई थी, लेकिन आयुष को सिर में और नाक में गंभीर चोट थी। दोनों को एंबुलेंस जय प्रकाश अस्पताल लेकर पहुंची, वहां हालत नाजुक देखते हुए हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। हमीदिया अस्पताल पहुंचने पर आयुष की मौत हो गई।

पीटीआरआई में मीटिंग हॉल के मंच से पीतल के स्तंभ चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित पुलिस प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान (पीटीआरआई) में मीटिंग हाल के मंच पर लगे पीतल के चार स्तंभ अज्ञात बदमाश ने चोरी कर लिए। जहांगीराबाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक, इंद्र बिहार एयरपोर्ट रोड निवासी 50 वर्षीय गुलशन बानो पीटीआरआई में निरीक्षक हैं। वह पीटीआरआई में प्रशासन शाखा का काम देखती हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 19 दिसंबर को रात सवा 10 बजे ड्यूटी पर तैनात आरक्षक सचिन ने फोन कर बताया कि संस्थान के मंच पर लगे हुए पीतल के 4 स्तंभ कोई अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गया है। गुलशन अगले रोज सुबह कार्यालयीन समय पर पीटीआरआई में आकर देखा तो स्तंभ नहीं मिले। उन्होंने पुलिस को बताया कि चोरी गए पीतल के स्तंभ में सफेद कलर से अंग्रेजी में पी लिखा हुआ है। जिनके बीच में दो कुन्दे लगे हुए हैं। ऊपर से गुम्बदनुमा हैं। गुंबद की लंबाई करीब 29 ईंट व गोलाई 5 ईंच है। चोरी गए स्तंभ की कीमत करीब 10 हजार रुपए है।

मोटर साईकिल चोरी के आरोपी को जेल, 500 रूपए जुर्माना

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मोटर साईकिल चोरी के मामले में न्यायालय ने आरोपी कार्तिक राजपूत को दोषी पाते हुए 6 माह के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही न्यायालय ने आरोपी पर 500 रूपए जुर्माना भी लगाया है। यह फैसला न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी संदीप कुमार नामदेव की अदालत ने सुनाया है।

लोक अभियोजक के अनुसार, फरियादी ने टी.टी. नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह भोपाल के मालवीय नगर स्थित सरल होटल मे ड्यूटी करता है। 1 नवंबर 2012 को शाम 19.30 बजे अपने घर से हीरो होण्डा मोटरसाईकिल से न्यू मार्केट दवा लेने गया था। रास्ते मे यूनिक कालेज के पास अपनी मोटरसाईकिल खडी करके अपने रिश्तेदार के साथ दवाई की दुकान से दवा लेने गया और वापस आया तो मोटर साईकिल गायब थी। मामले में शासन की ओर से सहा जिला लोक अभियोजन नीरज भार्गव द्वारा पैरवी की गई है।

मेट्रो एंकर ससुराल पक्ष ने बेटी का पूछा तो दबाव में आकर दर्ज कराई गुमशुदगी

पत्नी को राजगढ़ दोस्त के पास छोड़ा, दोस्त ने किया बंधक बनाकर दुष्कर्म

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नजीराबाद थाना क्षेत्र स्थित एक कस्बे में रहने वाले पति ने अपनी ही पत्नी को राजगढ़ में रहने वाले दोस्त के पास छोड़ दिया। आरोपी का दोस्त उसकी पत्नी को बंधक बनाकर दुष्कर्म कर रहा था। ससुराल पक्ष के लोगों ने बेटी के बारे में पूछा तो पति ने बताया कि वह बिना बताए कहीं चली गई। ससुराल के दबाव में आकर आरोपी ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई?थी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जब महिला को राजगढ़ से दस्तयाब किया तो उसने चौकाने वाला खुलासा किया। पुलिस ने पति के खिलाफ सबूत छिपाने और झूठी शिकायत दर्ज कराने का मामला दर्ज किया है, जबकि पति के दोस्त पर बंधक बनाकर बलात्कार का मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार 23 साल की महिला की शादी नजीराबाद स्थित एक कस्बे में हुई?थी। उसकी पति से नहीं बनती?थी। गत 7 दिसंबर को पति उसे यह कहकर अपने साथ राजगढ़ ले गया कि वहां बटाई के लिए खेत मिला है। खेत पर बटाई से काम करना है और वहीं रहना है। पीड़िता उसके साथ राजगढ़ पहुंच गई। वहां आरोपी ने अपनी पत्नी को रमेश अहिवार को सौंप दिया और गांव लौट आया। दो तीन दिन बाद परिजन ने बेटी के बारे में पूछा तो आरोपी कहने लगा कि उसे नहीं पता वह बिना बताए चली गई?है। ससुराल पक्ष के दबाव में आकर आरोपी ने थाने में पत्नी की गुमशुदगी 11 दिसंबर को दर्ज कराई?थी। 23 दिसंबर को पुलिस राजगढ़ से महिला को दस्तयाब कर लाई और उससे पूछताछ की। पूछताछ में उसने बताया कि पति उसे झूठ बोलकर राजगढ़ ले गया था और राजगढ़ में पति का दोस्त रमेश अहिरवार बंधक बनाकर उससे दुष्कर्म कर रहा था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022